पंजाब राजभवन

संकल्प

त्रैमासिक पत्रिका

सत्यमेव जयते

नवंबर '24 | दिसंबर '24 | जनवरी '25

संदेश

प्रिय पाठको,

मुझे यह बताते हुए हर्ष हो रहा है कि राजभवन, पंजाब की त्रैमासिक हिन्दी पत्रिका 'संकल्प' का द्वितीय संस्करण प्रकाशित किया जा रहा है। यह पत्रिका न केवल राजभवन की प्रमुख प्रशासनिक पहलों, समाजसेवा के प्रयासों, सुशासन एवं सांस्कृतिक गतिविधियों का दस्तावेज है, बल्कि प्रदेश के समग्र विकास की दिशा में किए गए कार्यों का संकलन भी प्रस्तुत करती है।

इस अंक में हाल ही में संपन्न महत्वपूर्ण गतिविधियों को सम्मिलित किया गया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रभावी क्रियान्वयन, शिक्षा संस्थानों को NAAC मान्यता प्राप्त करने के लिए प्रेरित करने के प्रयासों, नशा मुक्त समाज के निर्माण के लिए उठाए गए ठोस कदमों, शिक्षा, स्वास्थ्य, बुनियादी ढांचे, तकनीकी उन्नति, खेलकूद एवं पारदर्शी प्रशासन में हुई नवीन प्रगति को विस्तार से दर्शाया गया है। साथ ही, सीमावर्ती क्षेत्रों में सुरक्षा, शिक्षा और विकास पर जोर देने, ग्रामीणों, सुरक्षा बलों और छात्रों से संवाद स्थापित करने तथा राष्ट्रविरोधी तत्वों के खिलाफ एकजुटता को बल देने जैसे महत्वपूर्ण प्रयासों को भी स्थान दिया गया है। श्री गुरु तेग बहादुर जी के शहीदी दिवस पर नशामुक्ति अभियान की शुरुआत और 113 वर्षीय धावक फौजा सिंह के साथ वॉकथॉन में सहभागिता भी इस अंक का प्रमुख आकर्षण है। इसके अतिरिक्त, नए आपराधिक कानूनों - भारतीय न्याय संहिता (BNS), भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (BNSS) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम (BEB) पर भी विशेष जानकारी दी गई है, जिससे जनता को इनके प्रभावों और क्रियान्वयन से अवगत कराया जा सके।

यह पत्रिका न केवल बीते कार्यकाल की उपलब्धियों को दर्शाती है, बल्कि भविष्य की योजनाओं की दिशा भी इंगित करती है। इसके सफल प्रकाशन में योगदान देने वाले राजभवन, पंजाब के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों का हृदय से आभार। आशा है कि यह अंक भी ज्ञानवर्धक, प्रेरणादायक और रोचक सिद्ध होगा तथा पाठकों को प्रदेश की उन्नति से अवगत कराएगा।

गुलाब चंद कटारिया
राज्यपाल, पंजाब एवं प्रशासक, चंडीगढ़

चंडीगढ़: नए आपराधिक कानून लागू करने वाला पहला केंद्रशासित प्रदेश

3 दिसंबर 2024: चंडीगढ़ ने एक नई उपलब्धि हासिल की है, जहां भारत के नए आपराधिक कानूनों को प्रभावी ढंग से लागू किया गया है। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने इन कानूनों—भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम—को राष्ट्र को समर्पित किया। इस महत्वपूर्ण अवसर पर पंजाब के राज्यपाल एवं चंडीगढ़ के प्रशासक श्री गुलाब चंद कटारिया भी उपस्थित थे, जो इस ऐतिहासिक पल का हिस्सा बने।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि ये नए कानून ब्रिटिश शासन के दमनकारी कानूनों को समाप्त कर भारतीय न्याय प्रणाली को अधिक पारदर्शी और प्रभावी बनाएंगे। उन्होंने बताया कि इन कानूनों को व्यापक विचार-विमर्श और गहन मंथन के बाद तैयार किया गया है। 2020 में गृह मंत्रालय ने इस पर सुझाव मांगे थे और इसमें सर्वोच्च न्यायालय, विभिन्न उच्च न्यायालयों, न्यायिक अकादमियों, विधि संस्थानों और नागरिक संगठनों के विचारों को शामिल किया गया। नए कानूनों की व्यावहारिकता को प्रदर्शित करने के लिए चंडीगढ़ में एक लाइव डेमोंस्ट्रेशन आयोजित किया गया, जिसमें दिखाया गया कि किस प्रकार न्याय प्रणाली अब अधिक प्रभावी और त्वरित होगी।

इस अवसर पर राज्यपाल पंजाब और प्रशासक चंडीगढ़ श्री गुलाब चंद कटारिया ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और इस ऐतिहासिक बदलाव में चंडीगढ़ की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया। प्रधानमंत्री ने सभी राज्यों की पुलिस से अनुरोध किया कि वे इस तरह के डेमोंस्ट्रेशन आयोजित करें ताकि नागरिकों को इन कानूनों की जानकारी मिल सके। नए कानूनों के लागू होने से न्याय प्रक्रिया में अधिक पारदर्शिता आएगी, जिससे पीड़ितों को शिकायत दर्ज कराने के 90 दिनों के भीतर जांच की स्थिति की जानकारी मिल सकेगी।

महिलाओं की सुरक्षा के लिए भी सख्त प्रावधान किए गए हैं, जिसमें बलात्कार के मामलों में 60 दिनों के भीतर आरोप तय करने और 45 दिनों के भीतर सुनवाई पूरी करने की समय-सीमा तय की गई है। डिजिटल साक्ष्यों को कानूनी मान्यता देकर न्याय प्रक्रिया को और अधिक प्रभावी बनाया गया है, जिससे ई-समन, न्याय सेतु और अन्य डिजिटल उपकरणों का उपयोग बढ़ेगा। न्यायिक प्रक्रियाओं को तेज करने के लिए भी विशेष प्रावधान किए गए हैं, ताकि मामलों का शीघ्र निपटारा हो सके।

सीमावर्ती क्षेत्रों में राज्यपाल श्री गुलाब चंद कटारिया का दौराः सुरक्षा, शिक्षा और विकास पर विशेष बल

05 नवंबर से 08 नवंबर 2024: पंजाब के माननीय राज्यपाल श्री गुलाब चंद कटारिया ने राज्य के सीमावर्ती क्षेत्रों का व्यापक दौरा किया। इस दौरान उन्होंने 05 नवंबर को जिला फाजिल्का के गांव जोधां भैणी का दौरा किया, जहां उन्होंने स्थानीय ग्रामीणों और रक्षा समितियों के सदस्यों के साथ संवाद स्थापित किया और सीमा सुरक्षा को लेकर उनकी चिंताओं को सुना।

06 नवंबर को उन्होंने जिला तरनतारन के भिखीविंड और अमृतसर जिले में भारत-पाक सीमा के निकट स्थित गांव कक्कड़ का दौरा किया। भिखीविंड में उन्होंने युवाओं को राष्ट्र निर्माण में भागीदारी के लिए प्रेरित किया और सुरक्षा एजेंसियों के साथ मिलकर सीमा सुरक्षा को मजबूत करने की आवश्यकता पर बल दिया। गांव कक्कड़ में उन्होंने ग्रामीणों के साथ बैठक कर उनके सामने आने वाली सुरक्षा और बुनियादी सुविधाओं से जुड़ी चुनौतियों पर चर्चा की।

07 नवंबर को राज्यपाल ने गुरु नानक देव विश्वविद्यालय (जीएनडीयू), अमृतसर का दौरा किया, जहां उन्होंने छात्रों और शिक्षकों के साथ बातचीत की और उच्च शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि शिक्षित युवा समाज के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसी दिन उन्होंने गांव मनवाल-मंगवाल का भी दौरा किया और ग्रामीण विकास परियोजनाओं का जायजा लिया। उन्होंने किसानों से भी संवाद किया और कृषि क्षेत्र में नए तकनीकी सुधारों को अपनाने के लिए प्रेरित किया।

08 नवंबर को राज्यपाल ने जिला पठानकोट में बीएसएफ कमलजीत पोस्ट का दौरा किया। उन्होंने सुरक्षा बलों के जवानों से मुलाकात कर उनके समर्पण और कठिनाइयों को समझा तथा उन्हें प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्र की सुरक्षा में उनका योगदान अमूल्य है और सरकार उनके समर्थन के लिए हमेशा तत्पर है।

सुरक्षा के प्रति जागरूकता और राष्ट्रविरोधी तत्वों के खिलाफ एकजुटता

राज्यपाल श्री गुलाब चंद कटारिया ने अपने दौरे के दौरान स्थानीय नागरिकों, सुरक्षा बलों और रक्षा समितियों के सदस्यों से संवाद स्थापित किया। उन्होंने ग्रामीण इलाकों में सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की और राष्ट्रविरोधी तत्वों के खिलाफ एकजुट होकर लड़ने का आह्वान किया। उन्होंने जोर देकर कहा कि देश की सीमाओं की सुरक्षा केवल सुरक्षा एजेंसियों की जिम्मेदारी नहीं होनी चाहिए, बल्कि स्थानीय समुदायों को भी इसमें सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए।

पंजाब के सीमावर्ती गांवों में रक्षा समितियों की भूमिका को सशक्त बनाने के उद्देश्य से, राज्यपाल ने स्थानीय नागरिकों से अपील की कि वे राष्ट्र की सुरक्षा को सर्वोपरि रखते हुए जागरूकता और सतर्कता बनाए रखें। उन्होंने कहा कि जब तक समाज के हर वर्ग में सुरक्षा और राष्ट्र के प्रति निष्ठा की भावना प्रबल नहीं होगी, तब तक बाहरी चुनौतियों का सामना करना कठिन रहेगा।

महिलाओं और लड़कियों की शिक्षा को प्राथमिकता

06 नवंबर 2024 को अपने संबोधन में राज्यपाल श्री कटारिया ने महिलाओं और लड़कियों की शिक्षा पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि शिक्षा के माध्यम से महिलाएं आत्मनिर्भर बन सकती हैं और इससे समाज में उनकी भूमिका को अधिक मजबूती मिलेगी। उन्होंने इस दिशा में अधिक प्रयास करने की आवश्यकता पर बल दिया ताकि हर लड़की को उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा प्राप्त हो सके।

राज्यपाल ने विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में लड़कियों की शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए सरकार और समाज के समन्वित प्रयासों पर बल दिया। उन्होंने कहा कि एक शिक्षित महिला न केवल अपने परिवार बल्कि संपूर्ण समाज को सशक्त बना सकती है।

रोजगार और उद्योगों के विकास पर बल

राज्यपाल श्री कटारिया ने अपने दौरे के दौरान पंजाब की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए रोजगार और औद्योगिक विकास की दिशा में विशेष ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने कहा कि राज्य में रोजगार के नए अवसर उत्पन्न किए जाने चाहिए और युवाओं को कौशल विकास प्रशिक्षण प्रदान करना आवश्यक है, ताकि वे प्रतिस्पर्धात्मक रोजगार बाजार में अपनी जगह बना सकें। उन्होंने सरकार और निजी क्षेत्र से आह्वान किया कि वे युवाओं के लिए कौशल विकास केंद्र स्थापित करें, जिससे उन्हें नवीनतम तकनीकों और उद्योगों से जुड़ने का अवसर मिले।

शहीदी दिवस पर पंजाब के युवाओं को नशे से मुक्त करने का संकल्प, राज्यपाल ने खटकड़ कलां से राज्यव्यापी अभियान किया प्रारंभ

10 दिसंबर 2024: पंजाब के राज्यपाल एवं चंडीगढ़ के प्रशासक श्री गुलाब चंद कटारिया ने श्री गुरु तेग बहादुर जी के शहीदी दिवस के अवसर पर बाबा बकाला, पंजाब से नशामुक्ति अभियान का औपचारिक शुभारंभ किया। यह अभियान सिख गुरुओं के बलिदानों और पंजाब की वीरता की महान परंपरा से प्रेरणा लेते हुए समाज में नशे के खिलाफ नैतिक व ऐतिहासिक चेतना जागृत करने के उद्देश्य से शुरू किया गया।

इस अभियान को और अधिक व्यापक बनाने के लिए राज्यपाल ने शहीद भगत सिंह के पैतृक गांव खटकड़ कलां से राज्यव्यापी स्तर पर इसका शुभारंभ किया गया। यह ऐतिहासिक स्थल, जो स्वतंत्रता संग्राम में क्रांतिकारी सोच और संघर्ष का प्रतीक रहा है, नशे के विरुद्ध सामूहिक लड़ाई के संकल्प को मजबूती प्रदान करता है। इस अवसर पर श्री गुलाब चंद कटारिया ने अपने संबोधन में कहा कि जिस प्रकार भगत सिंह ने भारत की स्वतंत्रता के लिए संघर्ष किया था, उसी प्रकार अब पंजाब को नशे से मुक्त करने की लड़ाई लड़नी होगी।

इस अभियान को जनांदोलन का रूप देने के लिए पंजाब के राज्यपाल एवं चंडीगढ़ के प्रशासक श्री गुलाब चंद कटारिया ने 'जनता की नशे के खिलाफ पदयात्रा' आयोजित करने की अपील की गई। इस यात्रा का उद्देश्य युवा, महिलाएं, सामाजिक संगठन और सामुदायिक नेताओं को इस मुहिम से जोड़कर इसे हर घर तक पहुंचाना है, ताकि पंजाब को एक नशामुक्त और स्वस्थ राज्य बनाया जा सके।

लुधियाना में 'नशा मुक्त भारत युवा रैली' की पंजाब के राज्यपाल श्री गुलाब चंद कटारिया और केंद्रीय मंत्री श्री वीरेंद्र कुमार ने अगुवाई की

लुधियाना, 12 जनवरी 2025: पंजाब के राज्यपाल श्री गुलाब चंद कटारिया और केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री वीरेंद्र कुमार ने 'नशा मुक्त भारत युवा रैली' में युवाओं से नशे के खिलाफ एकजुट होकर इसे जन आंदोलन बनाने की अपील की। कार्यक्रम का आयोजन पंजाब कृषि विश्वविद्यालय (PAU) में किया गया, जहां बड़ी संख्या में छात्र, सामाजिक कार्यकर्ता और विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

अपने संबोधन में राज्यपाल और केंद्रीय मंत्री ने कहा कि नशा केवल एक व्यक्ति या परिवार की समस्या नहीं, बल्कि यह पूरे समाज को प्रभावित करता है। इसलिए इससे लड़ने के लिए समाज के हर वर्ग को आगे आना होगा।

राज्यपाल ने बताया कि उन्होंने पंजाब के विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपतियों से बातचीत की है, और सभी ने इस अभियान में सहयोग का आश्वासन दिया है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों में छात्रों को नशा मुक्ति की शपथ दिलाई जाएगी और इस अभियान को स्कूलों और कॉलेजों तक व्यापक स्तर पर फैलाया जाएगा।

5 करोड़ लोगों तक पहुंचने का लक्ष्य

केंद्रीय मंत्री वीरेंद्र कुमार ने बताया कि नशा मुक्त भारत अभियान के पिछले चरणों में 98,000 से अधिक स्कूलों ने भाग लिया था, जिसमें 2 लाख से अधिक युवा और विभिन्न धार्मिक एवं सामाजिक संगठन जुड़े थे। इसके बाद अगले चरण में 3.42 करोड़ लोगों ने भाग लिया। उन्होंने घोषणा की कि इस वर्ष 12 अगस्त तक इस अभियान के तहत 5 करोड़ लोगों तक पहुंचने का लक्ष्य रखा गया है।

कार्यक्रम में पंजाब के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री बलजीत कौर और केंद्रीय रेल राज्य मंत्री रवनीत बिट्टू भी उपस्थित रहे। इस दौरान राज्यपाल और केंद्रीय मंत्री ने खेलकूद और विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजेता विद्यार्थियों को सम्मानित किया और खेल किट वितरित कीं।

राज्यपाल ने 113 वर्षीय फौजा सिंह के साथ पैदल मार्च कर दिया नशामुक्ति का संदेश

10 से 12 दिसंबर 2024: पंजाब में नशे के खिलाफ जन-जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से एक विशेष वॉकथॉन श्रृंखला का आयोजन किया गया। इस अभियान की अगुवाई पंजाब के राज्यपाल एवं चंडीगढ़ के प्रशासक श्री गुलाब चंद कटारिया ने की, जिन्होंने खुद इन पदयात्राओं में भाग लेकर जनता को नशामुक्ति का संदेश दिया। अभियान की शुरुआत 10 दिसंबर को ब्यास (जालंधर) से हुई, जहां से 8 किलोमीटर लंबी पदयात्रा निकाली गई। इस ऐतिहासिक अवसर पर राज्यपाल स्वयं जनता के साथ चले और पूरे मार्ग में युवाओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं और स्थानीय नेताओं को नशे के खिलाफ एकजुट होने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि नशा सिर्फ एक व्यक्ति को ही नहीं, बल्कि पूरे समाज को कमजोर करता है, और इसे समाप्त करने के लिए सभी को मिलकर काम करना होगा।

इस मुहिम का दूसरा दिन और भी खास रहा, जब 113 वर्षीय दिग्गज मैराथन धावक सरदार फौजा सिंह ने इस अभियान से जुड़कर सभी को प्रेरित किया। 11 दिसंबर को, राज्यपाल और फौजा सिंह ने एक साथ 9 किलोमीटर लंबी यात्रा पूरी की, जो ब्यास से शुरू होकर भट्ठे (जालंधर) तक गई। इस ऐतिहासिक दृश्य ने यह संदेश दिया कि शारीरिक और मानसिक मजबूती से कोई भी बाधा पार की जा सकती है। राज्यपाल ने फौजा सिंह के साथ कदमताल करते हुए कहा कि यदि हम नशे के खिलाफ इसी दृढ़ निश्चय के साथ खड़े रहें, तो पंजाब को नशामुक्त बनाना संभव है।

वॉकथॉन का समापन 12 दिसंबर को हुआ, जब भट्ठे (जालंधर) से जंगे-आज़ादी मेमोरियल, करतारपुर तक 7 किलोमीटर लंबी यात्रा निकाली गई। समापन समारोह में राज्यपाल ने जनता को संबोधित करते हुए कहा कि नशे के विरुद्ध लड़ाई केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि पूरे समाज का कर्तव्य है। विशेष रूप से युवाओं और महिलाओं की भूमिका इसमें महत्वपूर्ण है, क्योंकि वे समाज में परिवर्तन लाने की सबसे बड़ी ताकत रखते हैं।

राज्यपाल श्री गुलाब चंद कटारिया के नेतृत्व में नशामुक्ति आंदोलन को नई दिशा

राज भवन में उप कुलपतियों और नशे के खिलाफ काम कर रही संस्थाओं के साथ मीटिंग

09 जनवरी 2025: पंजाब के राज्यपाल ने नशे की रोकथाम के लिए एक महत्वपूर्ण संवाद की अध्यक्षता की, जिसमें 50 से अधिक विश्वविद्यालयों, स्कूलों और उच्च शिक्षा संस्थानों के शिक्षाविदों ने भाग लिया। उन्होंने इस अवसर पर नशे की रोकथाम के लिए प्रशासनिक उपायों के साथ-साथ समाज में नैतिक और मानसिक जागरूकता को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर जोर दिया। राज्यपाल ने माता-पिता से अपील की कि वे अपने बच्चों के साथ संवाद बनाए रखें और उन्हें एक सहायक वातावरण प्रदान करें, ताकि वे नशे की ओर आकर्षित न हों।

राज्यपाल ने सोशल मीडिया के माध्यम से जागरूकता फैलाने के महत्व पर भी बल दिया, जिससे नशे के खिलाफ संदेश को व्यापक स्तर पर पहुंचाया जा सके।

12 जनवरी 2025: राज्यपाल ने नशे की समस्या पर उच्च स्तरीय संवाद में धर्मगुरुओं और विभिन्न क्षेत्रों की प्रमुख हस्तियों से किया विचार-विमर्श: पंजाब राज भवन में आयोजित एक उच्च स्तरीय संवाद में राज्यपाल ने धर्मगुरुओं, शिक्षाविदों, उद्योगपतियों, वैज्ञानिकों, पूर्व खिलाड़ियों, कलाकारों, किसानों और सामाजिक कार्यकर्ताओं के साथ विचार-विमर्श किया। उन्होंने इस समस्या को एक राष्ट्रीय संकट बताते हुए सभी क्षेत्रों की भागीदारी पर जोर दिया। चर्चा में कानून व्यवस्था को प्रभावी बनाने, शिक्षा प्रणाली में नैतिक मूल्यों को शामिल करने और नशा पीड़ितों के लिए बेहतर पुनर्वास केंद्र स्थापित करने पर विशेष ध्यान दिया गया। उन्होंने धार्मिक नेताओं से अपील की कि वे अपने मंचों का उपयोग कर नशे के खिलाफ समाज को जागरूक करें और इस अभियान को एक जनांदोलन का रूप दें।

राज्यपाल ने किया हरीके हेडवर्क्स और बुड्ढा नाले का दौरा, प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण पर दी महती सीख

06 नवंबर, 2024/25 जनवरी, 2024: पंजाब के राज्यपाल ने हरीके हेडवर्क्स और बुड्ढा नाले का दौरा किया और इन जल स्त्रोतों के संरक्षण की महत्ता पर विशेष जोर दिया। इस दौरान राज्यपाल ने हरीके हेडवर्क्स के संरक्षण के प्रयासों की सराहना की, जो न केवल पंजाब की जल प्रबंधन प्रणाली का अहम हिस्सा है, बल्कि स्थानीय पारिस्थितिकी तंत्र और वन्यजीवों के लिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। राज्यपाल ने कहा कि यदि हरीके हेडवर्क्स को सही तरीके से बनाए रखा जाए, तो इससे न केवल पर्यावरणीय संतुलन बना रहेगा, बल्कि जलजीवों और पक्षियों के आवास की सुरक्षा भी सुनिश्चित होगी।

राज्यपाल ने यह भी कहा कि जल स्त्रोतों का संरक्षण प्रदूषण को कम करता है, जिससे स्वास्थ्य समस्याओं का समाधान भी संभव होता है। हरीके हेडवर्क्स का संरक्षण इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो प्रदूषण से होने वाली बीमारियों को नियंत्रित करने में मदद करेगा।

पंजाब के राज्यपाल ने बुड्ढा नाले का दौरा किया, इस अवसर पर प्रसिद्ध पर्यावरण कार्यकर्ता और संत बाबा बलबीर सिंह सीचेवाल भी उनके साथ थे। बुड्ढा नाला, जो वर्षों से प्रदूषण और जलभराव की समस्या का सामना कर रहा है, के सुधार के लिए राज्यपाल और बाबा सीचेवाल ने कई ठोस कदम उठाने की आवश्यकता पर विचार विमर्श किया। दौरे के दौरान राज्यपाल ने बुड्ढा नाले के पुनर्जीवन कार्यों की भी सराहना की। वर्षों तक प्रदूषण का शिकार रहे इस नाले को अब धीरे-धीरे साफ किया जा रहा है, और यह पर्यावरण और स्थानीय समुदाय के लिए एक बड़ी सफलता साबित हो रहा है। राज्यपाल ने कहा कि जब हम जल और पर्यावरण के संतुलन को बनाए रखते हैं, तो इसका सीधा प्रभाव हमारे स्वास्थ्य पर भी पड़ता है। उन्होंने यह भी कहा कि जलस्त्रोतों का सही तरीके से संरक्षण करने से कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों से बचाव संभव है, क्योंकि प्रदूषण और अस्वस्थ वातावरण कई बीमारियों का कारण बनते हैं।

बुड्ढा नाला, लुधियाना

राज्यपाल ने पंजाब में बढ़ते कैंसर के मामलों पर भी चिंता व्यक्त की और इसे "कैंसर ट्रेन" के रूप में संदर्भित किया, जहां लोग इलाज के लिए राजस्थान तक जाने को मजबूर हैं। यह गंभीर समस्या है, और राज्यपाल ने समय पर निदान और जागरूकता की आवश्यकता पर जोर दिया।

गुरु नानक देव जी के प्रसिद्ध शब्दों – "पवन गुरू, पानी पिता, माता धरत महत" – का उल्लेख करते हुए राज्यपाल ने कहा कि अगर हम प्राकृतिक संसाधनों के संतुलन को बनाए रखें, तो हम कैंसर जैसी बीमारियों से बच सकते हैं। उनका मानना था कि पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखना हमारे स्वास्थ्य के लिए अत्यंत आवश्यक है, क्योंकि इससे प्रदूषण कम होता है और स्वास्थ्य समस्याएं घटती हैं।

बुड्ढा नाला, लुधियाना

राज्यपाल का यह संदेश था कि प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण केवल पर्यावरण की रक्षा के लिए नहीं, बल्कि हमारे स्वास्थ्य के लिए भी अत्यंत आवश्यक है। जल और पर्यावरण का सही तरीके से संरक्षण करने से न केवल प्रदूषण से बचाव होता है, बल्कि हम कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों से भी बच सकते हैं। इस दिशा में उठाए गए कदमों से समाज का स्वास्थ्य और पर्यावरण दोनों सुरक्षित रहेंगे।

हरिके हेडवर्क्स

पंजाब राज भवन में आयोजित NAAC सुधारों पर महत्वपूर्ण सेमिनार

19 दिसंबर 2024: पंजाब राजभवन ने नए NAAC सुधारों पर एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया। इस अवसर पर पंजाब के राज्यपाल और चंडीगढ़ के प्रशासक श्री गुलाब चंद कटारिया ने अपने संबोधन में कहा, 'शिक्षा केवल रोजगार प्राप्ति का साधन नहीं है, बल्कि यह एक ऐसी परिवर्तनकारी शक्ति है, जो राष्ट्र की प्रगति को दिशा देती है।

श्री कटारिया ने यह भी बताया कि हमारे शिक्षा संस्थान, खासकर NAAC मान्यता से जुड़ी प्रक्रिया, केवल संस्थानों के मूल्यांकन का जरिया नहीं है, बल्कि यह एक निरंतर सुधार की प्रक्रिया है जो हमारे संस्थानों को वैश्विक मानकों के अनुरूप सशक्त बनाती है। उन्होंने NAAC की भूमिका को स्पष्ट करते हुए इसे एक सशक्त उपकरण के रूप में देखा, जिससे उच्च शिक्षा के मानक बढ़ेंगे और भारतीय विश्वविद्यालयों को अंतर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा में मजबूती मिलेगी। राज्यपाल ने शिक्षा प्रणाली के विकास पर विचार करते हुए कहा कि इसे बदलती दुनिया की आवश्यकताओं के अनुसार ढालने की जरूरत है। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि 2020 की राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) ने शिक्षा में लचीलापन, बहुविषयक दृष्टिकोण, और प्रौद्योगिकी के समावेश को बढ़ावा दिया है, जो न केवल भारत को 'विश्वगुरु' बनाने की दिशा में काम करेगा, बल्कि यह युवाओं को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाएगा। पंजाब के शिक्षा मंत्री श्री हरजोत बैंस ने कहा कि यह सुनिश्चित करने के लिए प्रयास किये जा रहे हैं कि पंजाब में छात्रों को विदेशों में पढ़ाई के लिए नहीं जाना पड़े, बल्कि राज्य में ही विश्वस्तरीय शिक्षा की सुविधा मिल सके।

NAAC की सलाहकार डॉ. के. रमा ने कहा कि NAAC केवल संस्थानों का मूल्यांकन नहीं करता, बल्कि यह एक निरंतर सुधार प्रक्रिया है, जो उच्च शिक्षा में गुणवत्ता बढ़ाने का कार्य करती है। उन्होंने NAAC के बाइनरी मान्यता मॉडल और परिपक्वता-आधारित मान्यता प्रणाली के बदलाव की योजना पर भी चर्चा की, जिससे भारतीय विश्वविद्यालयों को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने में मदद मिलेगी।

चंडीगढ़ के डीजीपी श्री सुरेंद्र यादव ने युवाओं में नशे की समस्या को गंभीर बताते हुए शैक्षणिक संस्थानों से जागरूकता अभियानों में सक्रिय रूप से भाग लेने की अपील की। इन सभी विचारों ने सेमिनार को एक दिशा दी, जिससे यह स्पष्ट हुआ कि NAAC के सुधारों के माध्यम से पंजाब और देश के उच्च शिक्षा संस्थान वैश्विक मानकों तक पहुँचने की दिशा में मजबूती से कदम बढ़ा रहे हैं।

अमृतसरः संस्कृति, इतिहास और आध्यात्मिकता का संगम

अमृतसर, जिसे सिख धर्म की आध्यात्मिक राजधानी माना जाता है, पंजाब का एक प्रमुख पर्यटन स्थल है। यह शहर न केवल ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व रखता है, बल्कि अपनी समृद्ध संस्कृति, स्वादिष्ट व्यंजन और अतिथि सत्कार के लिए भी प्रसिद्ध है।

स्वर्ण मंदिर (हरमंदिर साहिब)

प्रमुख आकर्षण

हरमंदिर साहिब जिसे स्वर्ण मंदिर के नाम से भी जाना जाता है, पंजाब के अमृतसर शहर में स्थित सिख धर्म का सबसे पवित्र स्थल है।

इसका निर्माण 1581 में श्री गुरु अर्जुन देव जी द्वारा शुरू किया गया था और 1604 में पूरा हुआ। इसमें सोने से सुसज्जित छत और सफेद संगमरमर की दीवारें इसे एक भव्य रूप प्रदान करती हैं।

हरमंदिर साहिब का मुख्य उद्देश्य धर्म, समानता और भलाई की शिक्षा देना है, और यह सभी धर्मों के लोगों को एक समान सम्मान देने के लिए प्रसिद्ध है। स्वर्ण मंदिर के चारों ओर स्थित अमृत सरोवर को धार्मिक दृष्टि से अत्यंत पवित्र माना जाता है, जिसमें स्नान करने से आत्मिक शांति और शुद्धता मिलती है।

यहाँ हर दिन धार्मिक गतिविधियाँ होती हैं, जिनमें कीर्तन, गुरबानी पाठ और विशेष धार्मिक उत्सवों का आयोजन किया जाता है। स्वर्ण मंदिर न केवल सिखों के लिए, बल्कि पूरी मानवता के लिए एक प्रेरणास्त्रोत और शांति का प्रतीक है।

श्री दुर्ग्याणा मंदिर अमृतसर में स्थित एक प्रमुख हिन्दू धार्मिक स्थल है, जो देवी दुर्गा की पूजा के लिए प्रसिद्ध है। इसका निर्माण 1921 में सिख समुदाय के धार्मिक नेताओं ने किया था, और यह हिन्दू और सिख वास्तुकला के अद्भुत मिश्रण को दर्शाता है। मंदिर का मुख्य भवन सफेद संगमरमर से बना है और इसकी छत सुनहरे रंग में ढकी हुई है, जो इसे आकर्षक बनाती है।

यह मंदिर नवरात्रि के दौरान बड़े धार्मिक आयोजनों के लिए प्रसिद्ध है, जिसमें देवी दुर्गा की पूजा होती है। यहाँ भक्तों को शांति और आस्था की संतुष्टि मिलती है, और मंदिर का वातावरण भी उन्हें मानसिक शांति प्रदान करता है। दुर्ग्याणा मंदिर न केवल धार्मिक दृष्टि से, बल्कि अमृतसर के प्रमुख पर्यटन स्थलों में से एक के रूप में भी प्रसिद्ध है।

दुर्ग्याणा मंदिर

वार मेमोरियल

वार मेमोरियल अमृतसर भारतीय सैनिकों के शौर्य और बलिदान को समर्पित एक ऐतिहासिक स्थल है। इसका उद्देश्य शहीद सैनिकों की याद में श्रद्धांजलि अर्पित करना और उनके संघर्षों को सम्मानित करना है। यहाँ भारतीय सेना, नौसेना और वायुसेना के शहीदों की मूर्तियाँ और उनके बलिदान की जानकारी दी जाती है।

इस स्थल का डिज़ाइन आकर्षक है, जिसमें संग्रहालय और सैनिकों की शौर्य गाथाओं को चित्रित करने वाले भव्य चित्र और मूर्तियाँ हैं। यह स्थल न केवल पर्यटकों के लिए, बल्कि देशवासियों के लिए एक श्रद्धांजलि स्थल भी है, जो शहीदों की बहादुरी को सलाम करने आते हैं। यह स्थल देशभक्ति की भावना को जागृत करता है और युवाओं में अपने देश के प्रति सम्मान की भावना उत्पन्न करता है।

जलियांवाला बाग

स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास का गवाह जलियांवाला बाग हर भारतीय के हृदय में एक विशेष स्थान रखता है। यह स्थान 1919 के नृशंस नरसंहार की याद दिलाता है और पर्यटकों को इतिहास से जोड़ता है।

वाघा बॉर्डर

भारत-पाकिस्तान सीमा पर स्थित वाघा बॉर्डर पर हर शाम आयोजित होने वाली बीटिंग रिट्रीट सेरेमनी देशभक्ति की भावना को प्रबल कर देती है। हजारों पर्यटक इस समारोह को देखने के लिए यहां आते हैं।

गोबिंदगढ़ किला

यह ऐतिहासिक किला अमृतसर की समृद्ध विरासत को दर्शाता है और पर्यटकों के लिए एक प्रमुख आकर्षण केंद्र है।

पंजाबी बाज़ार और स्वादिष्ट भोजन

अमृतसर अपने पारंपरिक पंजाबी व्यंजनों जैसे कि अमृतसरी कुल्चा, लस्सी, और मक्की दी रोटी-सरसो दा साग के लिए भी प्रसिद्ध है। यहां के हॉल बाजार और कतराबाज़ार में खरीदारी का अलग ही मजा है।

खेल

चंडीगढ़ बनेगा खेल हबः राज्यपाल श्री गुलाब चंद कटारिया की खेल संस्कृति को बढ़ावा देने की पहल

20 दिसंबर 2024: चंडीगढ़ खेल संस्कृति को बढ़ावा देने में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। शहर में 21 खेल परिसर (स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स) हैं, जो बैडमिंटन, हॉकी, फुटबॉल, जुडो, तैराकी, क्रिकेट, एथलेटिक्स, स्क्वैश, जिमनास्टिक्स सहित विभिन्न खेलों की आवश्यकताओं को पूरा करते हैं। इन खेल परिसरों में आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हैं, जो खिलाड़ियों को बेहतरीन प्रशिक्षण और प्रतिस्पर्धा के अवसर प्रदान करती हैं।

राज्यपाल श्री गुलाब चंद कटारिया ने चंडीगढ़ को भारत के प्रमुख खेल हब के रूप में स्थापित करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता और दृढ़ नेतृत्व का परिचय दिया है। उनके मार्गदर्शन में, चंडीगढ़ खेलों के क्षेत्र में अपनी नई पहचान बना रहा है, जहां युवा पीढ़ी को उत्कृष्ट सुविधाएं, प्रशिक्षण और प्रतिस्पर्धा के बेहतरीन अवसर मिल रहे हैं।

श्री गुलाब चंद कटारिया ने चंडीगढ़ में खेल संस्कृति को आगे बढ़ाने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। उन्होंने शहर में खेलों के विकास को लेकर एक स्पष्ट दृष्टिकोण साझा किया, जिसमें राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं का नियमित आयोजन और खेल बुनियादी ढांचे का विस्तार शामिल है। उनका मानना है कि चंडीगढ़ के पास पहले से ही बेहतरीन खेल सुविधाएं हैं, और इनका सही उपयोग कर इसे खेलों के प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित किया जा सकता है।

श्री कटारिया ने खेल को करियर विकल्प के रूप में बढ़ावा देने की आवश्यकता को भी प्रमुखता दी, जिससे युवा नशे की लत जैसी नकारात्मक आदतों से दूर रह सकें। उन्होंने यह स्पष्ट किया कि खेलों के माध्यम से न केवल शारीरिक और मानसिक विकास होता है, बल्कि यह बच्चों को टीमवर्क, नेतृत्व और अनुशासन जैसे महत्वपूर्ण गुण भी सिखाता है। उनका मानना है कि एक मजबूत खेल संस्कृति युवाओं को सकारात्मक दिशा में मार्गदर्शन प्रदान करती है और उन्हें अपने सपनों को साकार करने के लिए प्रेरित करती है।

राज्यपाल ने चंडीगढ़ के खेल बुनियादी ढांचे को और बेहतर बनाने के लिए केंद्र सरकार से तीन प्रमुख परियोजनाओं पर चर्चा की, जिनमें एक इनडोर मल्टी-पर्पस स्पोर्ट्स हॉल, एक इनडोर ऑल-वेदर स्विमिंग पूल और एक लड़कियों का छात्रावास शामिल हैं। इन परियोजनाओं के माध्यम से चंडीगढ़ को अंतर्राष्ट्रीय स्तर के खेल आयोजन और प्रशिक्षण सुविधाएं प्राप्त होंगी, जो शहर को एक प्रमुख खेल हब बनाने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।

चंडीगढ़ के खेल संघों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक

खेलों के प्रोत्साहन के लिए चंडीगढ़ प्रशासन और अभिनव बिंद्रा फाउंडेशन के बीच ऐतिहासिक समझौता

7 जनवरी 2025: खेल विभाग एवं शिक्षा विभाग, चंडीगढ़ प्रशासन और अभिनव बिंद्रा फाउंडेशन ट्रस्ट के बीच पंजाब के राज्यपाल एवं चंडीगढ़ के प्रशासक श्री गुलाब चंद कटारिया और प्रशासक के सलाहकार श्री राजीव वर्मा की उपस्थिति में, एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। चंडीगढ़ प्रशासन और अभिनव बिंद्रा फाउंडेशन के बीच ऐतिहासिक समझौता, जो न केवल खेल और शिक्षा के क्षेत्र में एक नई दिशा की ओर कदम बढ़ाता है, बल्कि देश के पहले केंद्र शासित प्रदेश के रूप में चंडीगढ़ को एक नया गौरव प्रदान करता है। इस समझौते के तहत, चंडीगढ़ के सरकारी स्कूलों में ओलंपिक मूल्य शिक्षा कार्यक्रम (ओवीईपी) की शुरुआत की गई है, जो छात्रों को नेतृत्व, टीमवर्क, और सम्मान जैसे जीवन कौशल सिखाएगा। यह पहल बच्चों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने, खेलों में भागीदारी बढ़ाने, और सामाजिक सामंजस्य को बढ़ावा देने में मदद करेगी। एक ओर महत्वपूर्ण पहलू यह है कि इस कार्यक्रम को अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) द्वारा स्वीकृत किया गया है, जिससे चंडीगढ़ की खेल पहलों को वैश्विक मान्यता मिलती है और उच्च मानक स्थापित होते हैं। यह समझौता न केवल चंडीगढ़ के लिए, बल्कि देश के लिए भी एक ऐतिहासिक कदम है, जो आने वाली पीढ़ियों को खेलों में उत्कृष्टता की ओर अग्रसर करेगा।

76वें गणतंत्र दिवस का राज्य स्तरीय समारोहः

पंजाब के राज्यपाल श्री गुलाब चंद कटारिया ने लुधियाना में फहराया राष्ट्रीय ध्वज

राज्यपाल ने संतुलित विकास और पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

26 जनवरी 2025: पंजाब के राज्यपाल श्री गुलाब चंद कटारिया ने 76वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर लुधियाना में राष्ट्रीय ध्वज फहराया और नागरिकों को संतुलित विकास तथा पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि सतत विकास की दिशा में आगे बढ़ते हुए हमें प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण पर विशेष ध्यान देना चाहिए, ताकि आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ और सुरक्षित पर्यावरण मिल सके। उन्होंने पंजाब को नशा मुक्त बनाने के संकल्प को दोहराते हुए युवाओं से अपील की कि वे इस सामाजिक बुराई के खिलाफ आवाज उठाएं और राष्ट्र निर्माण में अपनी सकारात्मक भूमिका निभाएं।

राज्यपाल ने शहीदों और स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए पंजाब की वीरता और बलिदान की गौरवशाली परंपरा का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि हमारे वीर जवानों ने अपने प्राणों की आहुति देकर देश को स्वतंत्रता दिलाई, और अब हमारी जिम्मेदारी है कि हम उनकी कुर्बानियों को व्यर्थ न जाने दें। इस अवसर पर आयोजित भव्य परेड, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और बहादुरी सम्मान समारोह में हजारों नागरिकों की भागीदारी रही, जिससे पूरे आयोजन में देशभक्ति की भावना चरम पर रही।

76वां गणतंत्र दिवसः
राज्यपाल श्री गुलाब चंद कटारिया द्वारा 'अपनी फौज को जानो' कार्यक्रम का उद्घाटन

लुधियाना, 26 जनवरी 2025ः 76वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर पंजाब के राज्यपाल श्री गुलाब चंद कटारिया ने स्थानीय पंजाब कृषि विश्वविद्यालय के खेल मैदान में 'अपनी फौज को जानो' कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इस कार्यक्रम में प्रदर्शित वाहनों और ग्रेनेड सहित विभिन्न सैन्य उपकरणों का प्रदर्शन किया गया।

इस कार्यक्रम में सेना की आधुनिक सैन्य तकनीकों को उजागर किया गया, जिसमें बख्तरबंद वाहन, तोपखाना प्रणाली, छोटे हथियार, वायु रक्षा हथियार और निगरानी उपकरण शामिल थे।

इस मौके पर बोलते हुए, लेफ्टिनेंट जनरल अजय चांदपुरिया, ए.वी.एस.एम., वी.एस.एम., जी.ओ.सी. वज्र कोर ने आयोजकों की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह शानदार कार्यक्रम भारतीय सेना और इसके द्वारा सेवा करने वाले लोगों के बीच अटूट बंधन का एक सशक्त प्रतीक है।

यह न केवल हमारे नागरिकों का उनकी सशस्त्र सेनाओं में विश्वास मजबूत करता है, बल्कि अगली पीढ़ी को निःस्वार्थ सेवा, अटूट समर्पण और देशभक्ति की विरासत को बनाए रखने के लिए प्रेरित भी करता है। प्रदर्शनी ने राष्ट्र की रक्षा के लिए सेना की क्षमता, प्रतिबद्धता और तत्परता में नागरिकों के विश्वास को और मजबूत किया, जिससे सम्मान और राष्ट्रीय एकता की एक स्थायी छाप छोड़ी गई।

पंजाब के राज्यपाल द्वारा पंजाब राज भवन में 'एट होम' रिसेप्शन का आयोजन, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने समां बांधा

26 जनवरी 2025: गणतंत्र दिवस के अवसर पर पंजाब के राज्यपाल श्री गुलाब चंद कटारिया ने पंजाब राज भवन में 'एट होम' रिसेप्शन का आयोजन किया, जिसमें उन्होंने गणमान्य अतिथियों का स्वागत किया और उन्हें राष्ट्रीय पर्व की शुभकामनाएँ दीं। समारोह स्थल को तिरंगे के रंगों से भव्य रूप से सजाया गया था, जिससे माहौल और भी देशभक्तिपूर्ण हो गया। इस अवसर पर उत्तर क्षेत्रीय सांस्कृतिक केंद्र द्वारा प्रस्तुत पारंपरिक नृत्य, संगीत और अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने समां बांध दिया।

इस कार्यक्रम में प्रमुख राजनैतिक, प्रशासनिक और न्यायिक हस्तियाँ उपस्थित थीं, जिन्होंने राष्ट्र की एकता और प्रगति के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। राज्यपाल ने अपने संबोधन में कहा कि गणतंत्र दिवस केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि हमारे लोकतांत्रिक मूल्यों और संविधान के प्रति सम्मान प्रकट करने का अवसर है। उन्होंने नागरिकों से राष्ट्र के विकास और सामाजिक समरसता को मजबूत करने में सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की।

कार्यक्रम में लेफ्टिनेंट जनरल अजय चांदपुरिया (ए.वी.एस.एम., वी.एस.एम.) ने इसे सेना और नागरिकों के बीच अटूट विश्वास और आपसी सहयोग का प्रतीक बताया। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे भारतीय सेना में शामिल होकर राष्ट्र सेवा का हिस्सा बनें। इस आयोजन में हजारों नागरिकों, छात्रों और एनसीसी कैडेट्स की भागीदारी ने देशभक्ति की भावना को और अधिक प्रबल किया। राज्यपाल ने इस कार्यक्रम को जनता और सेना के बीच बेहतर समझ और सहयोग बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल बताया।

पंजाब राज भवन में 'एट होम' की झलकियां

पंजाब राज भवन में 'एट होम' पर लोगो को मिलते हुए

जनहित में स्वास्थ्य सुधार: पंजाब के राज्यपाल और प्रशासक चंडीगढ़ की पहल

16 दिसंबर 2024/13 जनवरी 2025: पंजाब के राज्यपाल और चंडीगढ़ के प्रशासक के नेतृत्व में सरकारी अस्पतालों में स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति सुधारने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। आमजन को उच्च गुणवत्ता वाली चिकित्सा सुविधाएं सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जीएमएसएच सेक्टर 32 और जीएमसीएच सेक्टर 16 सहित कई सरकारी अस्पतालों का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान मरीजों और उनके परिजनों से बातचीत कर उनकी समस्याओं को समझा गया। अस्पतालों में चिकित्सा सुविधाओं, सफाई व्यवस्था, दवा उपलब्धता, डॉक्टरों की उपस्थिति और आपातकालीन सेवाओं की स्थिति की गहन समीक्षा की गई।

जीएमएसएच सेक्टर 16 चंडीगढ़ का एक प्रमुख सरकारी अस्पताल है, जहां बड़ी संख्या में मरीज उपचार के लिए आते हैं। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि यहां कुछ सेवाओं को और बेहतर बनाने की आवश्यकता है। मरीजों की सुविधा के लिए अतिरिक्त संसाधन उपलब्ध कराने और प्रक्रियाओं को सरल बनाने के निर्देश दिए गए। इसी तरह, जीएमसीएच सेक्टर 32 को भी चंडीगढ़ के सबसे व्यस्त अस्पतालों में गिना जाता है। यहां मरीजों को दी जाने वाली सुविधाओं, ऑपरेशन थिएटर की स्थिति और दवा वितरण प्रणाली की समीक्षा की गई। आवश्यक सुधारों के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए गए ताकि मरीजों को जल्द से जल्द बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकें।

इसके अतिरिक्त, एसडीएच मनीमाजरा और सेक्टर 48 के सरकारी अस्पतालों का भी निरीक्षण किया गया, जहां बुनियादी ढांचे और सेवाओं को और सशक्त करने पर जोर दिया गया। स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता को बेहतर बनाने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए गए ताकि मरीजों को सुचारू और प्रभावी चिकित्सा सुविधाएं मिल सकें।

इसके साथ ही, राज्यपाल और प्रशासक ने भारत विकास परिषद चैरिटेबल मेडिकल डायग्नोस्टिक सेंटर, चंडीगढ़ का भी दौरा किया। यह केंद्र जरूरतमंदों को किफायती और उच्च गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान कर रहा है। हर दिन हजारों मरीज यहां परामर्श और जांच सेवाओं का लाभ उठा रहे हैं। यह केंद्र निःस्वार्थ सेवा और सामुदायिक देखभाल का एक उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत करता है, जो स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक सुलभ बनाने में सहायक सिद्ध हो रहा है।

पंजाब राजभवन द्वारा पंजाब राज्य और यू.टी. चंडीगढ़ सहित 8 राज्यों और 7 केंद्र शासित प्रदेशों के स्थापना दिवस का आयोजन

4 नवंबर 2024

राज्य: पंजाब, हरियाणा, आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, कर्नाटक, केरल, मध्य प्रदेश, तमिलनाडु
केंद्र शासित प्रदेश: चंडीगढ़, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, दिल्ली, लक्षद्वीप, पुडुचेरी

पंजाब राजभवन में उत्तराखंड स्थापना दिवस का भव्य आयोजन

9 नवंबर 2024

पंजाब राजभवन उत्तराखंड स्थापना दिवस के उल्लासपूर्ण समारोहों से जीवंत हो उठा, जहां राज्य की समृद्ध विरासत, सांस्कृतिक धरोहर और भारत की एकता व विविधता में इसके योगदान को सम्मानित किया गया। समारोह का प्रमुख आकर्षण नंदा देवी लोक जात यात्रा का मनमोहक प्रदर्शन रहा, जो उत्तराखंड की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक प्राचीन तीर्थ उत्सव है। कलाकारों ने उत्तराखंड की लोक परंपराओं, रीति-रिवाजों और आध्यात्मिकता को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया, जिससे दर्शक मंत्रमुग्ध हो गए और राज्य की सांस्कृतिक धरोहर के प्रति उनकी गहरी सराहना बढ़ी।

एक विशेष वीडियो संदेश में उत्तराखंड के माननीय राज्यपाल श्री गुरमीत सिंह ने उत्तराखंड स्थापना दिवस को सम्मानित करने की पंजाब राजभवन की पहल की सराहना की। उन्होंने इस आयोजन की प्रशंसा करते हुए कहा कि इस तरह की पहल ''एक भारत श्रेष्ठ भारत'' अभियान की भावना के अनुरूप राष्ट्रीय एकता और सांस्कृतिक सद्भाव को मजबूत करती है।

झारखंड स्थापना दिवस पर पंजाब राज भवन में संस्कृति, समर्पण और एकता का अद्भुत संगम!

15 नवंबर 2024

15 नवंबर 2024: झारखंड स्थापना दिवस के अवसर पर पंजाब राज भवन में संस्कृति, समर्पण और एकता का अद्भुत संगम देखने को मिला। इस आयोजन में झारखंड की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को शानदार तरीके से प्रस्तुत किया गया, जिससे वहां उपस्थित सभी लोग मंत्रमुग्ध हो गए।

समारोह की शुरुआत भगवान बिरसा मुंडा को श्रद्धांजलि अर्पित करने के साथ हुई, जिसके बाद झारखंड की लोक कलाओं का जीवंत प्रदर्शन किया गया।

जनजातीय संस्कृति की झलक प्रस्तुत करने वाले रंगारंग लोक नृत्य, जैसे छऊ, संथाली, और पाहाड़ी नृत्य, ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इन नृत्यों में झारखंड की पारंपरिक वेशभूषा और अनूठी नृत्य शैलियों की झलक दिखाई दी, जो इस राज्य की सांस्कृतिक समृद्धि को दर्शाती हैं। पूरे कार्यक्रम के दौरान 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' की भावना मुखर रही, जहां सभी ने झारखंड की गौरवशाली परंपराओं और उसकी अनूठी सांस्कृतिक धरोहर का अभिनंदन किया।

पंजाब राजभवन, चंडीगढ़ में उत्तर प्रदेश, मणिपुर, त्रिपुरा, मेघालय, दादरा और नगर हवेली, दमन और दीव के स्थापना दिवस पर भव्य समारोह

24 जनवरी 2025

पंजाब राजभवन में विभिन्न राज्यों के लोक नृत्य और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने भारतीय एकता और विविधता को दर्शाते हुए 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' की भावना को और मजबूत किया। इस अवसर पर आयोजित इस भव्य समारोह ने इन राज्यों की समृद्ध परंपराओं और रीति-रिवाजों को सामने लाकर सांस्कृतिक आदान-प्रदान की अहमियत को उजागर किया।

पंजाब राज भवन में असम-नागालैंड स्थापना दिवस का भव्य समारोह

2 दिसंबर 2024

एक भारत, श्रेष्ठ भारतर के आदर्श को समर्पित इस आयोजन में, असम और नागालैंड की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को पारंपरिक नृत्य, संगीत और कला के अद्वितीय संगम के माध्यम से प्रस्तुत किया गया। समारोह ने देश की विविधता में एकता की भावना को उजागर करते हुए, असम और नागालैंड के गौरवशाली इतिहास तथा सांस्कृतिक धरोहर का जीवंत चित्रण किया।

चेक गणराज्य की राजदूत और ब्रिटिश उप उच्चायुक्त के साथ बैठक

चेक गणराज्य की राजदूत डॉ. एलिस्का ज़िगोवा के साथ बैठक

28 नवंबर 2024: पंजाब राज भवन में पंजाब के राज्यपाल और चंडीगढ़ के प्रशासक श्री गुलाब चंद कटारिया ने चेक गणराज्य की राजदूत डॉ. एलिस्का जिगोवा का स्वागत किया। इस अवसर पर द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के लिए कई मुद्दों पर चर्चा हुई। विशेष रूप से सिस्टर सिटी सहयोग पर ध्यान केंद्रित किया गया, जिनमें पर्यायवरण, अपशिष्ट प्रबंधन, पर्यायवरण के अनुकूल सार्वजनिक परिवहन नवाचार, शैक्षिक सहयोग और सांस्कृतिक आदान-प्रदान शामिल है।

ब्रिटिश उप उच्चायुक्त श्रीमती कैरोलीन रोवेट के साथ बैठक

07 जनवरी 2025: पंजाब राज भवन में पंजाब के राज्यपाल और चंडीगढ़ के प्रशासक श्री गुलाब चंद कटारिया ने ब्रिटिश डिप्टी हाई कमिशनर कैरोलीन रोवेट का स्वागत किया। इस अवसर पर शिक्षा, खेल और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देने के साथ-साथ स्थिरता, ठोस कचरा प्रबंधन, प्रदूषण, हरित ऊर्जा और पर्यावरणीय परिवहन जैसे वैश्विक चुनौतियों पर गहन चर्चा की गई।

राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने छोटे साहिबजादों और माता गुजरी जी की शहादत को किया नमन

शहीदी सभा के दूसरे दिन गुरुद्वारा श्री फतेहगढ़ साहिब में हुए नतमस्तक

27 दिसंबर 2024: साहिब-ए-कमाल दसवें गुरु श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के छोटे साहिबजादों—बाबा जोरावर सिंह, बाबा फतेह सिंह—और माता गुजरी जी की वीरगति को नमन करने के लिए आयोजित तीन दिवसीय शहीदी सभा के दूसरे दिन पंजाब के राज्यपाल श्री गुलाब चंद कटारिया ने गुरुद्वारा श्री फतेहगढ़ साहिब में मत्था टेका और श्रद्धांजलि अर्पित की।

इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि 9 और 7 वर्ष की आयु में छोटे साहिबजादों ने जिस बहादुरी से जालिम मुगल सल्तनत का सामना किया और धर्म पर अडिग रहते हुए शहादत दी, वह दुनिया में कहीं और देखने को नहीं मिलती। उन्होंने कहा कि छोटे साहिबजादों और माता गुजरी जी की शहादत आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्त्रोत बनी रहेगी।

राज्यपाल ने कहा कि छोटे साहिबजादों और माता गुजरी जी की शहादत को पूरा देश नमन करता है। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ एक ऐतिहासिक घटना नहीं, बल्कि साहस, सच्चाई और धर्म के प्रति अडिग रहने की प्रेरणा देने वाली अमूल्य विरासत है। छोटे साहिबजादों की शहादत केवल सिख इतिहास का गौरवशाली अध्याय नहीं, बल्कि पूरी मानवता के लिए एक प्रेरणा है।

पंजाब के राज्यपाल और प्रशासक चंडीगढ़ श्री गुलाब चंद कटारिया ने श्री अमृतसर साहिब में भगवान श्री वाल्मिकी तीर्थ स्थल, राम तीरथ पर मत्था टेका (7 नवंबर 2024)

पंजाब के राज्यपाल और प्रशासक चंडीगढ़ श्री गुलाब चंद कटारिया ने श्री गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व के अवसर पर गुरुद्वारा नाडा साहिब, पंचकुला में मत्था टेका। (15 नवंबर 2024)

पंजाब के राज्यपाल और चंडीगढ़ के प्रशासक श्री गुलाब चंद कटारिया ने पंचकूला में श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में पूजा-अर्चना की (28 नवंबर 2024)

पंजाब के राज्यपाल और चंडीगढ़ के प्रशासक श्री गुलाब चंद कटारिया ने 'साहिब-ए-कमाल' श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के 358वें प्रकाश पर्व के अवसर पर खालसा के जन्मस्थान तख्त श्री केसगढ़ साहिब में मत्था टेका। (6 जनवरी 2025)

पंजाब के राज्यपाल एवं चंडीगढ़ के प्रशासक श्री गुलाब चंद कटारिया तथा पंजाब के मुख्यमंत्री सरदार भगवंत सिंह मान ने लुधियाना स्थित कृषि विश्वविद्यालय में जलवायु परिवर्तन और ऊर्जा परिवर्तन के संदर्भ में कृषि-खाद्य प्रणालियों में बदलाव विषय पर आयोजित चार दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में सहभागिता की।

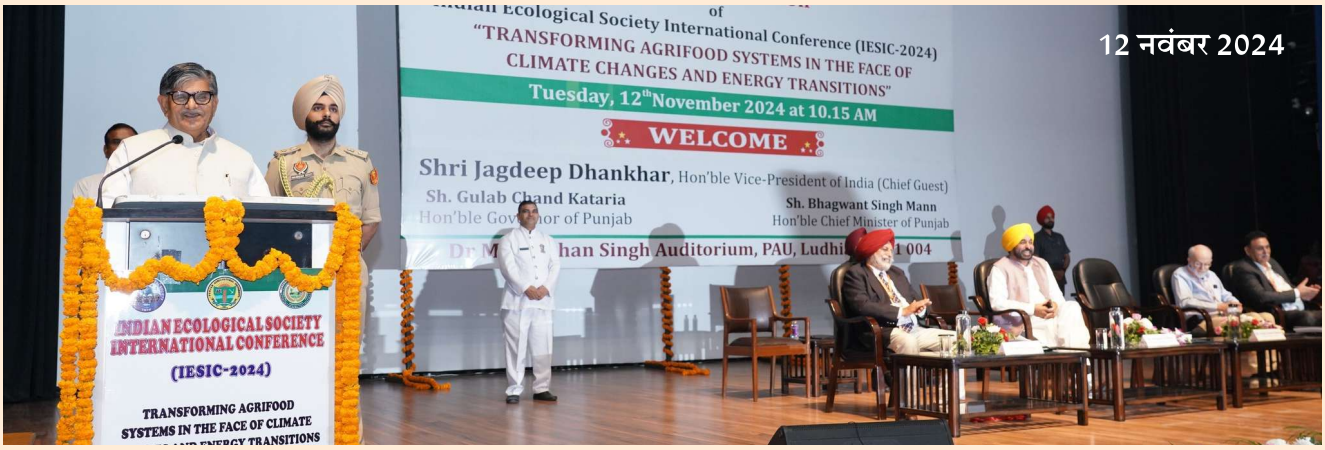

पंजाब के राज्यपाल और प्रशासक चंडीगढ़ श्री गुलाब चंद कटारिया ने 8वें मिलिट्री लिटरेचर फेस्टिवल का उद्घाटन किया। फेस्टिवल का थीम "न्यूक्लियर छत्रछाया में युद्ध" वैश्विक सुरक्षा चुनौतियों और सैन्य नवाचारों पर केंद्रित था।

मंत्रियों एवं अन्य गणमान्य व्यक्तियों के साथ बैठक

राज्यपाल पंजाब एवं प्रशासक, चंडीगढ़ ने पंजाब राज भवन में लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला से शिष्टाचार भेंट की। इस भेंट के दौरान, राज्यपाल ने श्री दरबार साहिब का प्रतीकात्मक मॉडल श्री ओम बिरला को भेंट किया, जो पंजाब की समृद्ध सांस्कृतिक और धार्मिक विरासत का प्रतीक है।

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी, हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष श्री हरविंदर कल्याण और मुख्य सचिव श्री विवेक जोशी ने पंजाब राज भवन में आकर नववर्ष की शुभकामनाएं दीं।

राज्यपाल पंजाब एवं प्रशासक, चंडीगढ़ ने पंजाब राज भवन में केंद्रीय मंत्री श्री मनोहर लाल खट्टर से शिष्टाचार भेंट की, जिसमें राज्य और राष्ट्रीय महत्व के मुद्दों पर विचार-विमर्श हुआ।

12 जनवरी 2025

राज्यपाल पंजाब एवं प्रशासक, चंडीगढ़ ने पंजाब राज भवन में पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश, माननीय जस्टिस शील नागु के साथ शिष्टाचार भेंट की। इस भेंट के दौरान सामाजिक न्याय, सुशासन और न्यायिक प्रक्रिया में सुधार पर विचार किया गया। यह चर्चा विशेष रूप से न्यायपालिका की भूमिका और सामाजिक न्याय को बढ़ावा देने के उपायों पर केंद्रित थी।

05 जनवरी 2025

राज्यपाल पंजाब एवं प्रशासक, चंडीगढ़ ने पंजाब राज भवन में महाराष्ट्र के पूर्व राज्यपाल श्री भगत सिंह कोश्यारी से शिष्टाचार भेंट की। इस भेंट के दौरान आपसी संवाद और समृद्ध अनुभवों का आदान-प्रदान हुआ। यह मुलाकात दोनों पक्षों के बीच व्यक्तिगत और व्यावसायिक संबंधों को और प्रगाढ़ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुई।

18 नवंबर 2024

राज्यपाल पंजाब एवं प्रशासक, चंडीगढ़ द्वारा दिल्ली स्थित असम भवन में असम के राज्यपाल श्री लक्ष्मण प्रसाद आचार्य से मुलाकात हुई, जहां दोनों राज्यों के ऐतिहासिक संबंधों, सांस्कृतिक विविधता और प्रशासनिक अनुभवों पर सार्थक चर्चा की गई। इस मुलाकात से दोनों राज्यों के बीच सामंजस्यपूर्ण और सहयोगात्मक रिश्तों की नींव रखी गई, जो भविष्य में और अधिक मजबूत हो सकती है।

13 नवंबर 2024

चंडीगढ़ पुलिस के 58वें स्थापना दिवस पर आयोजित भव्य परेड में पंजाब के राज्यपाल एवं चंडीगढ़ के प्रशासक, श्री गुलाब चंद कटारिया ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की और परेड की सलामी ली। इस अवसर पर, पुलिस बल द्वारा नई पहलों, आधुनिक सेवाओं और उत्कृष्ट कार्यप्रणाली का प्रदर्शन किया गया। इस अवसर पर पुलिस अधिकारियों और कर्मियों को उनकी असाधारण सेवाओं के लिए सम्मानित किया गया, जिससे उनका हौसला और अधिक बुलंद हुआ।

23 नवंबर 2024

प्रशासक चंडीगढ़, श्री गुलाब चंद कटारिया ने नगर निगम चंडीगढ़ की सदन बैठक में भाग लिया और शहर के विकास से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने पार्षदों से संवाद करते हुए राजस्व वृद्धि, यातायात प्रबंधन, संपत्ति कर सुधार, वर्ल्ड-क्लास शिक्षा और मेडिकल टूरिज्म को बढ़ावा देने जैसे विषयों पर जोर दिया। नगर निगम के कामकाज को अधिक प्रभावी बनाने के लिए उन्होंने विशेषज्ञों की भागीदारी और कार्यकारी समितियों के गठन का सुझाव दिया। प्रशासक ने आश्वस्त किया कि चंडीगढ़ के विकास और जनकल्याण से जुड़े मुद्दों पर हरसंभव सहायता प्रदान की जाएगी।

28 जनवरी 2025

पंजाब के राज्यपाल और चंडीगढ़ के प्रशासक, श्री गुलाब चंद कटारिया ने सरकारी पुनर्वास संस्थान (GRIID), चंडीगढ़ में सेंसरी गार्डन का उद्घाटन किया। यह गार्डन विशेष जरूरतों वाले बच्चों के लिए संवेदनात्मक और उपचारात्मक लाभ प्रदान करेगा

10 जनवरी 2025

चंडीगढ़ प्रशासन के तहत आयोजित एक ऐतिहासिक समारोह में पंजाब के राज्यपाल और चंडीगढ़ के प्रशासक श्री गुलाब चंद कटारिया ने 68 नव-नियुक्त नर्सरी शिक्षकों को नियुक्ति पत्र वितरित किए। उन्होंने शिक्षा प्रणाली में समग्र विकास और नवाचार की आवश्यकता पर जोर दिया और शिक्षक के लिए यूनिफॉर्म की पेशकश की, ताकि शिक्षा में एकता और अनुशासन को बढ़ावा मिल सके। इस अवसर पर, उन्होंने नैतिक शिक्षा के महत्व को भी रेखांकित किया और समग्र शिक्षा की दिशा में प्रशासन की प्रतिबद्धता को दोहराया।

14 नवंबर 2024

पंजाब के राज्यपाल और चंडीगढ़ के प्रशासक श्री गुलाब चंद कटारिया ने चौथे FAP नेशनल अवार्ड्स 2024 में देश भर के 576 निजी स्कूल शिक्षकों को उनके असाधारण योगदान के लिए सम्मानित किया। इस अवसर पर, उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में किए गए साहसिक सुधारों और भारत की वैश्विक नवाचार सूचकांक में प्रगति की सराहना की, और 2047 तक 'विकसित भारत' के निर्माण के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया।

18 दिसंबर 2024

राज्यपाल पंजाब और प्रशासक चंडीगढ़ ने रेल कोच फैक्ट्री, कपूरथला का दौरा किया और शेल डिवीजन में रेल कोच निर्माण प्रक्रिया की विस्तार से समीक्षा की। इस दौरान, उन्होंने अत्याधुनिक तकनीकों और नवाचारों को देखा, जो भारतीय रेलवे के बुनियादी ढांचे को सशक्त बना रहे हैं। शीट मेटल शॉप में इंजीनियरों और कर्मियों से संवाद करते हुए उनके अनुभवों और योगदानों को समझा, जो उच्च गुणवत्ता वाले कोच निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

चंडीगढ़ में सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा:
राज्यपाल ने 60 नई बसों को दिखाई हरी झंडी

14 जनवरी 2025

मकर संक्रांति के शुभ अवसर पर पंजाब के राज्यपाल एवं प्रशासक, चंडीगढ़, श्री गुलाब चंद कटारिया ने चंडीगढ़ परिवहन उपक्रम (सीटीयू) की 60 नई बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

राज्यपाल ने इस अवसर पर कहा कि प्रशासन का लक्ष्य वर्ष 2026-27 तक सीटीयू के पूरे बेड़े को 100% इलेक्ट्रिक बनाना है। इससे डीजल की खपत में भारी कमी आएगी और वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने में मदद मिलेगी।

नए बेड़े में शामिल बसों को आधुनिक तकनीकों से लैस किया गया है। इनमें इंटेलिजेंट ट्रांसपोर्टेशन सिस्टम (ITS), स्मार्ट कार्ड सुविधा और ट्राई-सिटी मोबाइल ऐप का एकीकरण शामिल है। इससे यात्रियों को बस की लाइव लोकेशन, समय सारणी और किराए की जानकारी आसानी से उपलब्ध होगी, जिससे उनकी यात्रा अधिक सुविधाजनक और कुशल बनेगी।

02 जनवरी 2025

चंडीगढ़ में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए राज्यपाल श्री गुलाब चंद कटारिया ने सड़क सुरक्षा प्रदर्शनी वैन का शुभारंभ किया। इस वैन के माध्यम से सड़क सुरक्षा के प्रति लोगों में जागरूकता फैलाने की दिशा में एक और कदम बढ़ाया गया है।

14 जनवरी 2025

पंजाब के राज्यपाल एवं चंडीगढ़ के प्रशासक श्री गुलाबचंद कटारिया ने पंजाब राजभवन से पीएम की साइकिल रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। भारत के वीरः एक शौर्य गाथा' थीम पर आधारित यह रैली हुसैनीवाला से नई दिल्ली तक 700 किलोमीटर की दूरी तय करेगी। रैली का समापन नई दिल्ली में प्रधानमंत्री की रैली कार्यक्रम के साथ होगा। इस दौरान कैडेट्स ने विभिन्न स्मारकों पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए राष्ट्रीय एकता, साहस और देशभक्ति का संदेश फैलाया, और साथ ही सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से देशभक्ति की भावना को और प्रबल किया।

25 जनवरी 2025

राज्यपाल पंजाब और प्रशासक चंडीगढ़ श्री गुलाब चंद कटारिया राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए, जहां उन्होंने लोकतंत्र के महत्व और प्रत्येक नागरिक के वोट के अधिकार पर प्रकाश डाला।

24 जनवरी 2025

चंडीगढ़ प्रशासन के सामाजिक कल्याण, महिला और बाल विकास विभाग ने राष्ट्रीय बालिका दिवस और 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' योजना की 10वीं वर्षगांठ के अवसर पर एक भव्य कार्यक्रम आयोजित किया। पंजाब के राज्यपाल और चंडीगढ़ के प्रशासक, श्री गुलाब चंद कटारिया ने मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। राज्यपाल ने 'सहयोग' नामक पुस्तिका का विमोचन किया और 'शगुन योजना' के तहत पहले 5 लाभार्थियों को चेक प्रदान किए।

29 नवंबर 2024

पंजाब के राज्यपाल और चंडीगढ़ के प्रशासक श्री गुलाब चंद कटारिया ने 14वें राष्ट्रीय शिल्प मेला का उद्घाटन किया, जिसमें 22 राज्यों के 600 से अधिक कारीगरों और लोक कलाकारों ने भारतीय शिल्प और संस्कृति का प्रदर्शन किया। राज्यपाल ने भारतीय पारंपरिक कला रूपों की सराहना की और इन्हें भारतीय संस्कृति का अहम हिस्सा बताया। इस मेले का उद्देश्य भारतीय शिल्प को बढ़ावा देना और कला को संरक्षित करना था।

नई दिल्ली में केंद्रीय मंत्रियों के साथ बैठक

26 नवंबर 2024: पंजाब के राज्यपाल और चंडीगढ़ के प्रशासक, श्री गुलाब चंद कटारिया ने नई दिल्ली में विभिन्न केंद्रीय मंत्रियों से मुलाकात की और पंजाब और चंडीगढ़ के विकास पर चर्चा की।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से वार्ता की और वित्तीय संसाधनों के आवंटन और बजट संबंधित मुद्दों पर चर्चा की।

परिवहन मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात की और परिवहन नेटवर्क के आधुनिकीकरण और सड़कों के बुनियादी ढांचे में सुधार की आवश्यकता पर जोर दिया।

स्वास्थ्य मंत्री जे.पी. नड्डा के साथ बैठक में, उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं के सुधार और चिकित्सा सुविधाओं में वृद्धि की आवश्यकता की बात की।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के साथ चर्चा में, श्री कटारिया ने पंजाब और चंडीगढ़ के रेलवे नेटवर्क को और बेहतर बनाने के लिए आवश्यक कदमों पर विचार किया।

खेल और श्रम मंत्री मनसुख मंडाविया के साथ बैठक में, उन्होंने खेल के क्षेत्र में सहयोग और श्रमिक कल्याण पर विचार विमर्श किया।

सामाजिक न्याय मंत्री वीरेंद्र कुमार से बैठक में, उन्होंने श्रमिक कल्याण और समाज के कमजोर वर्गों के लिए सुधारों पर चर्चा की।

पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत से चर्चा करते हुए, उन्होंने पर्यटन को बढ़ावा देने और राज्य में पर्यटन क्षेत्र के विकास के लिए संभावनाओं पर विचार किया।

गृह सचिव गोविंद मोहन से मुलाकात की और सुरक्षा, प्रशासनिक सुधारों और आपसी सहयोग के मुद्दों पर चर्चा की।

5 नवंबर 2024

पंजाब के राज्यपाल श्री गुलाब चंद कटारिया ने बाबा श्री गुरिंदर सिंह ढिल्लों जी और उनके उत्तराधिकारी श्री जसदीप सिंह गिल जी से पंजाब राज भवन में मुलाकात की।

5 नवंबर 2024

पंजाब के राज्यपाल श्री गुलाब चंद कटारिया ने हुसैनिवाला शहीदी स्मारक और युद्ध स्मारक पर महान क्रांतिकारियों व शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की तथा बीएसएफ द्वारा आयोजित कबड्डी मैच का आनंद लिया।

6 नवंबर 2024

पंजाब के राज्यपाल श्री गुलाब चंद कटारिया ने अटारी सीमा पर बीएसएफ जवानों की 'रिट्रीट सेरेमनी' देखी और उनकी वीरता को सराहा।

10 नवंबर, 2024

पंजाब राज भवन में 'संकल्प चंडीगढ़' द्वारा प्रशिक्षित सिविल सेवकों को सम्मानित किया। 37 अधिकारियों को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए पंजाब के राज्यपाल श्री गुलाब चंद कटारिया द्वारा सम्मानित किया गया।

12 नवंबर 2024

पंजाब के राज्यपाल श्री गुलाब चंद कटारिया ने 'सत पाल मित्तल राष्ट्रीय पुरस्कार 2024' के तहत मानवीय सेवा में उत्कृष्ट योगदान देने वालों को सम्मानित किया। 'व्यक्तिगत' और 'संस्थागत' श्रेणियों में 4 प्राप्तकर्ताओं को 20 लाख रुपये का नकद पुरस्कार दिया गया। साथ ही, इस वर्ष विभिन्न सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि के छात्रों को लगभग 1 करोड़ रुपये की 1,600 छात्रवृत्तियाँ भी वितरित की गईं।

21 नवंबर 2024

मुबारकपुर ने आयोजित एक कार्यक्रम में पंजाब के राज्यपाल श्री गुलाब चंद कटारिया ने जैन समाज के भगवती दीक्षा समारोह में मुख्यमंत्री श्री भगवंत मान जी के साथ भाग लिया, जहां मुमुक्षु मनीषा जैन ने सांसारिक मोह-माया को छोड़ने का संकल्प लिया। यह समारोह उनके आध्यात्मिक यात्रा की शुरुआत का प्रतीक था।

7 दिसंबर 2024

पंजाब के राज्यपाल और चंडीगढ़ के प्रशासक श्री गुलाब चंद कटारिया ने 76वें सशस्त्र बल ध्वज दिवस के अवसर पर पंजाब और चंडीगढ़ के पूर्व सैनिकों को सम्मानित किया। साथ ही उनके परिवारों के लिए 1 लाख रुपये की सहायता राशि प्रदान की गई।

9 दिसंबर 2024

पंजाब के राज्यपाल और चंडीगढ़ के प्रशासक श्री गुलाब चंद कटारिया ने कुरुक्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय गीता जयंती महोत्सव में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया।

9 दिसंबर 2024

चंडीगढ़ के प्रशासक श्री गुलाब चंद कटारिया ने रॉक गार्डन के निर्माता नेक चंद की 100वीं वर्षगांठ पर रॉक गार्डन में एक हफ्ता चलने वाले कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने नेक चंद के प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित की।

27 जनवरी 2025

चंडीगढ़ के प्रशासक श्री गुलाब चंद कटारिया ने चंडीगढ़ सेक्टर-24 स्थित भारत विकास परिषद चैरिटेबल मेडिकल डायग्नोस्टिक सेंटर और इंदिरा हॉली-डे होम का दौरा किया।

29 जनवरी 2025

पंजाब के राज्यपाल, चंडीगढ़ के प्रशासक एवं पंजाब रेडक्रॉस सोसाइटी के अध्यक्ष श्री गुलाब चंद कटारिया ने पंजाब राजभवन में, पंजाब रेड क्रॉस सोसाइटी के तत्वाधान में शुरु ''डॉक्टर आपके द्वार'' योजना का शुभारंभ किया।

29 जनवरी 2025

पंजाब के राज्यपाल और चंडीगढ़ के प्रशासक श्री गुलाब चंद कटारिया ने मोहाली में राष्ट्रीय औषधि शिक्षा एवं अनुसधान संस्थान द्वारा आयोजित सीमा सुरक्षा बल के पदक अलंकरण समारोह में सीमा सुरक्षा बल के जवानों को उनकी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए पुलिस पदक देकर सम्मानित किया।

30 जनवरी 2025

पंजाब के राज्यपाल और चंडीगढ़ के प्रशासक श्री गुलाब चंद कटारिया ने पंजाब राजभवन में महात्मा गांधी जी की उनकी पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

30 जनवरी 2025

चंडीगढ़ के प्रशासक श्री गुलाब चंद कटारिया ने महामुनि डॉ. विनय कुमार श्री 'आलोक' जी के 89वें जन्म दिवस के अवसर पर चंडीगढ़ सेक्टर-24 स्थित अणुव्रत भवन के साथ लगते ग्राउंड में आयोजित साधना से सिद्धि समारोह में भाग लिया।

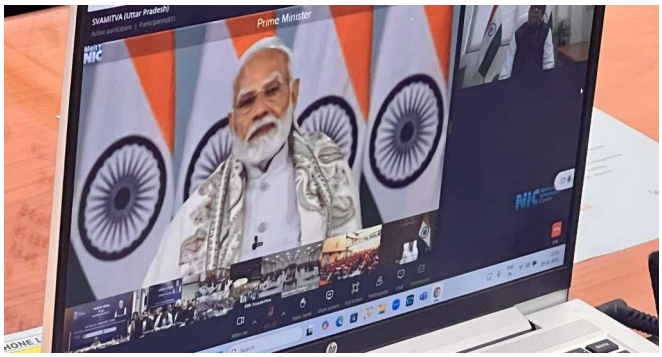

18 जनवरी 2025

स्वामित्व योजनाः ग्रामीण भारत की समृद्धि की नई आधारशिलाः पंजाब के राज्यपाल एवं चंडीगढ़ के प्रशासक, श्री गुलाब चंद कटारिया ने प्रयागराज से माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा आयोजित ऐतिहासिक स्वामित्व योजना कार्यक्रम में वर्चुअली भाग लिया। इस योजना के तहत 10 राज्यों और 2 केंद्रशासित प्रदेशों में 65 लाख से अधिक संपत्ति कार्ड वितरित किए गए। पंजाब में इस योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के तहत 5 जिलों के 122 गांवों में 17,030 संपत्ति कार्ड वितरित। यह योजना संपत्ति विवादों को कम करने, आर्थिक अवसरों को बढ़ाने और आत्मनिर्भर ग्रामीण भारत की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित हो रही है।

11 दिसंबर 2024

पंजाब के राज्यपाल श्री गुलाब चंद कटारिया ने डेरा ब्यास में बाबा गुरिंदर सिंह जी से मुलाकात की और समाज कल्याण पर गहरी चर्चा की।

19 जनवरी 2025

पंजाब के राज्यपाल और चंडीगढ़ के प्रशासक श्री गुलाब चंद कटारिया ने दिल्ली के इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में नेपाल और ईरान के बीच खो-खो विश्व कप के सेमी-फाइनल में मुख्य अतिथि के रुप में भाग लिया और खिलाड़ियों को सम्मानित किया।

23 जनवरी 2025

पंजाब राजभवन में पंजाब के राज्यपाल और चंडीगढ़ के प्रशासक श्री गुलाब चंद कटारिया ने चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी द्वारा प्रतिष्ठित मौलाना अबुल कलाम आजाद (माका) ट्रॉफी जीतने के बाद, खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2024 दल के 33 पदक विजेता एथलीटों के समूह से मुलाकात की।

20 जनवरी 2025

पंजाब और कजाकिस्तान के कलाकारों ने पंजाब राज भवन में एक संगीतमय शाम के दौरान अपने लोक गीतों, लोक नृत्यों और पारंपरिक प्रस्तुतियों के माध्यम से समां बांधा

चंडीगढ़ का बर्ड पार्क पर्यटकों के लिए बना मुख्य आकर्षण

चंडीगढ़, यू.टी. के वन और वन्यजीव विभाग ने सुखना झील के पीछे नगर वन में दो वॉक-थ्रू एवीएरी (पक्षी घर) विकसित किए हैं। इसका उद्देश्य आम जनता, विशेषकर युवा पीढ़ी को पक्षी संरक्षण के प्रति जागरूक करना और प्रकृति शिक्षा और संरक्षण के बारे में जागरूकता फैलाना है। ये एवीएरी उन विदेशी पक्षियों के लिए बनाए गए हैं, जिन्हें भारत में सामान्य रूप से पाला जाता है। इन पक्षियों में प्रमुख रूप से सफेद हंस, काले हंस, वुड डक्स, ब्लू गोल्ड मैकाव, कॉकाटू, लव बड्र्स और बजरीगर्स शामिल हैं।

वॉक-थ्रू एवीएरी, जिसे विकसित किया गया है, प्रत्येक पक्षी के लिए पर्याप्त स्थान प्रदान करता है। इसमें 58 फीट की उड़ान ऊंचाई है और कुल भूमि क्षेत्र लगभग 200x150 फीट है, जो स्थलीय और जलीय पक्षियों के लिए उपयुक्त है। संरचना इस तरह से डिज़ाइन की गई है कि यह विभिन्न प्रकार के छायादार पौधों से घिरी हुई है, जो इन पक्षियों के लिए आदर्श आवास, भोजन और आश्रय प्रदान करती है, ताकि वे स्वतंत्र रूप से उड़ सकें और प्रजनन कर सकें। यह माना जाता है कि यह संरचना एवीएरी क्षेत्र में देश की सबसे ऊँची संरचना होगी।

विशिष्ट पक्षियों के लिए अत्याधुनिक बर्ड पार्क को शहर के लिए गर्व और सरकार के लिए अच्छी प्रतिष्ठा लाने की संभावना है। क्योंकि यह एवियरी शहर के भीतर स्थित है और प्रसिद्ध रॉक गार्डन और सुखना झील के बीच में स्थित है, इसे अन्य पर्यटकों और प्रकृति प्रेमियों को भी आकर्षित करने की उम्मीद है। विज़िटर को वॉक-थ्रू एवियरी में विशिष्ट पक्षियों को एक प्राकृतिक वातावरण में देखने का अनोखा अनुभव मिलेगा, जिससे पक्षी संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ेगी और विज़िटर्स को प्रकृति शिक्षा और एविफॉना प्रजातियों के संरक्षण के बारे में अधिक जानकारी प्राप्त होगी।

लगभग 12 लाख पर्यटकों ने इस एवियरी का दौरा किया है, जिससे इस सुविधा के निर्माण के उद्देश्य को सही ठहराया गया है। पार्क ने ब्लैक स्वान, लोरिकीट, वुड डक्स, लव बड्र्स, बजरीगार जैसे विशिष्ट पक्षियों के प्रजनन में भी सफलता हासिल की है।

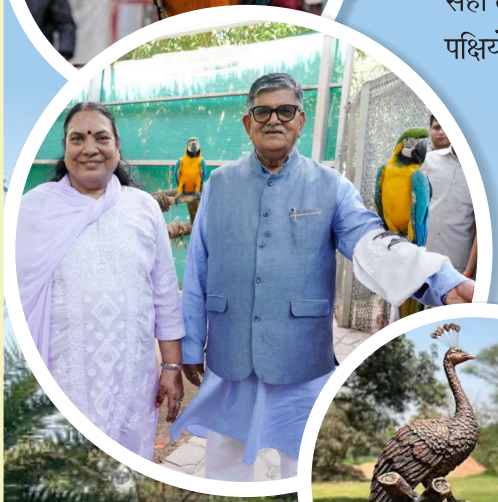

खबरों में राज भवन

EMBRACING TRADITION THROUGH DANCE: Craftsmen and folk artists from 22 states across the country are showcasing their talent at the 14th Chandigarh National Craft Mela

Crafts mela kicks off, 600 artistes ready to charm city

TIMES NEWS NETWORK

Punjab governor Gulab Chand Kataria inaugurated the fair on Friday. He appreciated art forms like Bandhej

Chandigarh: Punjab governor and Chandigarh administrator Gulab Chand Kataria on Friday inaugurated the traditional crafts mela by playing the drum, showcasing the unique confluence of Indian culture and crafts.

The fair is a joint effort of North Zone Cultural Centre and Chandigarh administration, in which over 600 craftsmen and folk artists from 22 states across the country are showcasing their art. The objective of the fair is to preserve and promote Indian crafts and culture, and to provide a platform where artists can showcase their art to the world.

The governor appreciated the traditional art forms like Bandhej, Madhubani painting, Zari-Zardozi and wood carving and termed them as an important part of Indian culture. "These works are not only useful but also strengthen the cultural identity of Indian society. They have not only developed our classical arts but are also an integral part of our daily lives," he said.

The attractions of the fair included the artworks of 12 zodiac signs carved on stones, the exhibition of Lalit Kala Academy, and the depiction of villages in Punjab. The governor said: "This year, the artworks presented in the fair not only give the visitors a new artistic vision, but also keep them connected to the deep roots of our culture. The exhibition of Lalit Kala Academy has emerged as a special experience for children and youth."

Cultural programmes presented by folk artists and traditional cuisines of different states were also an important part of the fair, which introduced the visitors to the diversity of Indian culture.

Lok Kala Sadhak (Lifetime Achievement) Awards were also presented during the inaugural ceremony. In the folk dance category, Terhatal artist Durga Devi from Rajasthan and Balak Ram Thakur from Himachal Pradesh were given this award.

In the field of folk music, Des Raj Lachkani from Punjab and Gujri singer Begum Jaan from Jammu and Kashmir were awarded the Lifetime Achievement Award.

These four artists were presented with a cheque of Rs 2.5 lakh, a certificate of honour and a shawl.

Along with this, two youth awards were also given for the first time in the fair. The selection committee selected Manoj Jale from Haryana and Sudhanshu Bisht from Uttarakhand for their outstanding contribution and presented them a cheque of Rs 1 lakh, a certificate of honour and a shawl.

The 14th National Crafts Fair will continue till December 8 and during this time the audience will be able to enjoy various craft exhibitions, cultural presentations and traditional cuisine. This fair not only presents Indian craft art on a global platform, but it also provides an opportunity to give a new identity to the cultural heritage of different parts of the country.

पंजाब राजभवन में असम और नागालैंड स्थापना दिवस मनाया गया। दोनों राज्यों की संस्कृतियों और कलाओं को प्रदर्शित करते हुए प्रस्तुतियां दी गईं।

राज भवन में मनाया गया असम और नागालैंड राज्यों का स्थापना दिवस

लोगों की पारस्परिकता की भावना विविधता में एकता को सक्षम बनाती है : कटारिया

चंडीगढ़, 2 दिसम्बर (रमेश हांडा): पूरे देश को एकजुट करने के उद्देश्य से भारत सरकार के 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' कार्यक्रम के तहत पंजाब राजभवन में असम और नागालैंड स्थापना दिवस मनाया गया और दोनों राज्यों की संस्कृतियों और कलाओं को प्रदर्शित करते हुए प्रस्तुतियां दी गईं।

इस अवसर पर सबसे पहले नागालैंड के राज्यपाल ला गणेशन और असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य का वीडियो संदेश दर्शकों के साथ साझा किया गया। इस अवसर पर चंडीगढ़ संगीत नाटक अकादमी द्वारा असम का बोडो और दाहल धुंगरी नृत्य, नागालैंड बैंबू नृत्य और दोनों राज्यों के नृत्यों का सुमेल करके नृत्य प्रस्तुत किया गया। इसके अलावा, उत्तर क्षेत्रीय सांस्कृतिक केंद्र द्वारा तैयार असम का बार दोई शिकला नृत्य एवं बागुरुम्बा नृत्य प्रस्तुत किया गया।

इस अवसर पर चंडीगढ़ के

हमारी लोक कलाएं, लोक नृत्य और संस्कृति साझा विरासत

प्रशासक ने कहा कि हमारी लोक कलाएं, लोक नृत्य और संस्कृति सभी हमारी साझा विरासत हैं, जो जाति या अमीर-गरीब के आधार पर भेदभाव नहीं करती, बल्कि एक-दूसरे को जोड़ती है। उन्होंने कहा कि पिछले एक साल से पंजाब राजभवन में राज्यों के स्थापना दिवस मनाए जा रहे हैं, जो हमारे देश के सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक विकास और एकता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि अलग-अलग राज्यों में महान लोग हुए हैं, भले ही उनका जन्म किसी भी राज्य में हुआ हो लेकिन वे किसी एक राज्य के नहीं बल्कि पूरे देश के लोग हैं। इस अवसर पर उपस्थित प्रमुख हस्तियों में राज्यपाल के ए.सी.एस. के. शिव प्रसाद भारत के अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल विशेष सचिव यू.टी. प्रशासक अभिजीत विजय चौधरी, नगर निगम आयुक्त अमित कुमार सहित चंडीगढ़ प्रशासन और शहर की कई प्रमुख हस्तियां भी उपस्थित थीं।

प्रशासक गुलाब चंद कटारिया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देशवासियों में अनेकता में एकता की भावना को और मजबूत किया है तथा अन्य राज्यों के लोगों को भी इसके प्रति जागरूक किया है। अन्य राज्यों की संस्कृति और इसे कला से जोड़ने के लिए 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' कार्यक्रम शुरू किया गया है।

उन्होंने कहा कि लोगों की पारस्परिकता की भावना विविधता में एकता को सक्षम बनाती है, जो राष्ट्रवाद के रूप में प्रकट होती है, और इसे भविष्य में भी बनाए रखने की जरूरी है।

कलाकारों ने उत्तराखंड की लोककथाओं, रीति-रिवाजों और आध्यात्मिकता के सार को जीवंत कर दिया और राज्य की विरासत की गहरी सराहना को बढ़ावा दिया। (राणा)

राजभवन में उत्तराखंड स्थापना दिवस पर सांस्कृतिक विरासत और भारत की एकता और विविधता में राज्य के योगदान की दिखी झलक

चार धाम की पवित्र धरती को नमन: कटारिया

चंडीगढ़, 9 नवम्बर (रमेश हांडा): पंजाब राजभवन उत्तराखंड स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में जीवंत समारोहों के साथ जीवंत हो उठा, जिसमें राज्य की समृद्ध विरासत, सांस्कृतिक विरासत और भारत की एकता और विविधता में राज्य के योगदान को श्रद्धांजलि दी गई। 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' पहल के हिस्से के रूप में आयोजित इस कार्यक्रम में भारतीय राज्यों के स्थापना दिवसों का सम्मान करके राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देने के लिए राजभवन की निरंतर प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला गया।

अपने संबोधन में राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने पर्यावरणविद् और चिपको आंदोलन के नेता सुंदरलाल बहुगुणा, भारत के पहले चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल बिपिन रावत और स्वतंत्रता सेनानी देव सुमन सहित उत्तराखंड की प्रतिष्ठित हस्तियों को भावभीनी श्रद्धांजलि दी। उन्होंने उत्तराखंड को चार धाम की धरती बताते हुए नमन किया। राज्यपाल ने उत्तराखंड की आध्यात्मिक गहराई पर विचार किया, जो बद्रीनाथ और केदारनाथ जैसे पवित्र स्थलों का घर है और 'देवभूमि' (देवताओं की भूमि) के रूप में प्रसिद्ध है। उन्होंने श्रद्धेय चार धाम - बद्रीनाथ, केदारनाथ, यमुनोत्री और गंगोत्री - पर टिप्पणी की, जो न केवल दुनिया भर से तीर्थयात्रियों को आकर्षित करते हैं, बल्कि भारत की आध्यात्मिक विरासत का भी प्रतीक हैं।

समारोह का एक मुख्य आकर्षण नंदा देवी लोक जात यात्रा का आकर्षक प्रदर्शन था, जो उत्तराखंड के समृद्ध सांस्कृतिक लोकाचार का प्रतीक एक प्राचीन तीर्थ उत्सव है। कलाकारों ने उत्तराखंड की लोककथाओं, रीति-रिवाजों और आध्यात्मिकता के सार को जीवंत कर दिया, दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया और राज्य की विरासत की गहरी सराहना को बढ़ावा दिया।

प्रशासक गुलाब चंद कटारिया कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए।

पहल एकता और सांस्कृतिक सद्भाव को बढ़ावा देती है

एक विशेष वीडियो संदेश में उत्तराखंड के राज्यपाल, गुरमीत सिंह ने उत्तराखंड के स्थापना दिवस का सम्मान करने में पंजाब राजभवन की पहल के लिए सराहना व्यक्त की। उन्होंने कहा कि इस तरह की पहल एकता और सांस्कृतिक सद्भाव को बढ़ावा देती है, जैसा कि 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' पहल द्वारा परिकल्पित किया गया है। प्रशासक के सलाहकार राजीव वर्मा, राज्यपाल के अतिरिक्त मुख्य सचिव के. शिव प्रसाद, डी.जी.पी. सुरेंद्र सिंह यादव, वित्त सचिव दीप्रवा लाकड़ा, गृह सचिव मंदीप सिंह बराड़, सचिव शिक्षा प्रेरणा पुरी, आयुक्त निगम अमित कुमार और चंडीगढ़ प्रशासन के अन्य अधिकारी भी कार्यक्रम के दौरान मौजूद थे।

एक शाम-गढ़ संगीत के नाम से बांधा समां

चंडीगढ़, 9 नवंबर (पाल): गढ़वाल सभा की ओर से उत्तराखंड राज्य की स्थापना के अवसर पर गढ़वाल भवन सैक्टर-29 में रंगारंग कार्यक्रम एक शाम-गढ़ संगीत के नाम का आयोजन किया गया, जिसमें स्थानीय लोक कलाकारों मीमांसा नेगी, विद्या शाह, आशु ने अपनी प्रस्तुतियां दीं। इस अवसर पर मुख्य अतिथि वरिष्ठ समाजसेवी अनूप बमोला, क्षेत्र के जाने-माने समाजसेवी गिरवर जोगिड़ ने दीप प्रज्वलित करके आरम्भ किया।

सभा के महासचिव बीरेंदर सिंह कंडारी ने बताया कि इस मौके पर उत्तराखंड की बेटी रितु बिष्ट, जिन्हें मैरिट के आधार पर गवर्नमेंट कॉलेज एंड हॉस्पिटल सेक्टर 32 में एमबीबीएस प्रथम वर्ष में प्रवेश मिला, को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम से पहले उत्तराखंड के शहीदों की आत्मिक शांति के लिए दो मिनट का मौन धारण किया गया और शहीदों को याद किया गया। कार्यक्रम का आरम्भ उत्तराखंड की देव स्तुति "देवा हुंया खोली का गणेश देवा, हुंया मोरी का नारायण" से हुई। इसके पश्चात मीमांसा नेगी के "धना-धना रे" के गीत पर लोगों ने जमकर डांस किया। आशु और विद्या शाह के युगल गीतों को लोगों ने खूब सराहा।

सभा के प्रधान शंकर सिंह पंवार ने सभी प्रवासियों को अपनी संस्कृति को बनाए रखने की अपील की और उन्होंने युवाओं को अपने पैतृक गांव भी जाने का आग्रह किया ताकि पलायन को रोका जा सके। वरिष्ठ उप प्रधान एस.पी. बमोला ने सभी गढ़वासियों का दिल से धन्यवाद किया और कहा कि भविष्य में भी सभा द्वारा इसी प्रकार से गढ़-संस्कृति से जोड़ने वाले कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

गढ़वाल सभा की महिला प्रकोष्ठ की प्रधान रेखा रावत व महासचिव निधि बलूनी ने सभी गढ़वासी महिलाओं से आह्वान किया की गढ़ समाज हित के कार्यों में आगे आएं और समाज को सुंदर बनाने में अपनी भूमिका निभाएं।

14TH NATIONAL CRAFTS MELA

These works not only useful but also strengthen cultural identity: UT Administrator

Kataria inaugurates mela, plays the drum; over 600 craftsmen, folk artists from 22 states showcase their art; objective is to preserve, promote crafts and culture

EXPRESS NEWS SERVICE
CHANDIGARH, NOVEMBER 29

UT Administrator Gulab Chand Kataria at Chandigarh Traditional Crafts Mela in Kalagram on Friday. Jaskaran Mahi

UT ADMINISTRATOR Gulab Chand Kataria Friday inaugurated the 14th Chandigarh Traditional Crafts Mela by playing the drum, which showcases the unique confluence of Indian culture and crafts. The fair is a joint effort of North Zone Cultural Centre and Chandigarh Administration, in which over 600 craftsmen and folk artists from 22 states across the country are showcasing their art. The objective of the fair is to preserve and promote Indian crafts and culture, and to provide a platform where artists can showcase their art to the world.

In his address during the inaugural ceremony, the Governor underlined the importance of the fair and described it as a living symbol of Indian culture and tradition. He said, "Every region of India is famous for its unique art, craft and tradition. This fair brings together craftsmen and artists from all over the country on one platform, which not only gives recognition to their art, but is also a wonderful effort to preserve the cultural heritage of India. The handicrafts and folk art displayed here are a symbol of our collective identity and it is from these that Indian culture has developed."

The UT Administrator particularly appreciated the traditional art forms like Bandhej, Madhubani Painting, Zari-Zardozi and wood carving and termed them an important part of Indian culture. "These works are not only useful but also strengthen the cultural identity of Indian society. They have not only developed our classical arts but are also an integral part of our daily lives," he said.

Kataria emphasised the importance of cottage industries which are an important source of employment in rural and semi-rural areas. He said that these industries not only support families but also strengthen the rural economy.

He said such events not only encourage artists but also make the audience aware of Indian art, culture and crafts. He called upon the younger generation to learn, understand and participate in preserving their culture. He stated, "Indian arts and crafts are not only a symbol of our cultural pride but also reflect our rich history and diversity. Through this fair, we revive our art and try to pass it on to the coming generations."

The special attractions of the fair included the amazing artworks of 12 zodiac signs carved on stones, the exhibition of Lalit Kala Academy, and the depiction of villages of Punjab, which became the centre of special attraction for the visitors.

The UT Administrator said, "This year, the artworks presented in the fair not only give the visitors a new artistic vision, but also keep them connected to the deep roots of our culture. The exhibition of Lalit Kala Academy has emerged as a special experience for children and youth."

Cultural programmes presented by folk artists and traditional cuisines of different states were also an important part of the fair, which introduced the visitors to the diversity of Indian culture.

Lok Kala Sadhak (Lifetime Achievement) Awards were presented during the inaugural ceremony. In the folk dance category, Terhatal artist Durga Devi from Rajasthan and Balak Ram Thakur from Himachal Pradesh were given this award. In the field of folk music, Des Raj Lachkani from Punjab and Gujri singer Begum Jaan from Jammu and Kashmir were awarded the Lifetime Achievement Award. These four artists were presented with a cheque of Rs 2.5 lakh, a certificate of honour and a shawl.

Along with this, two youth awards were given for the first time in the fair. The selection committee selected Manoj Jale from Haryana and Sudhanshu Bisht from Uttarakhand for their outstanding contribution and presented them a cheque of Rs 1 lakh, a certificate of honour and a shawl.

अमर उजाला | my city | चंडीगढ़ | सोमवार • 11.11.2024 | 02

गोल्डन जुबली समारोह के दौरान रविवार को शानदार नृत्य की प्रस्तुति देते कलाकार।

कार्यक्रम के दौरान केरल का लोकनृत्य पेश करतीं कलाकार।

केरल समाजम चंडीगढ़ का गोल्डन जुबली समारोह

लोकनृत्य की छटा बिखेरी, केले के पत्तों पर लिया भोज का आनंद

केरल के पारंपरिक लोकनृत्य के साथ भंगड़ा-गिद्दा, गुजराती, हरियाणवी और राजस्थानी फोक डांस से बांधा समा, चंडीगढ़ के प्रशासक गुलाब चंद कटारिया ने बढ़ाया उत्साह

संवाद न्यूज एजेंसी

केरल से बुलाया गया था कुक

1974 में 18 लोगों ने मिलकर बनाई थी संस्था

नगाड़े की थाप पर लोक कला एवं संस्कृति के क्राफ्ट्स मेले का भव्य आगाज

जगमार्ग न्यूज

चंडीगढ़। 14वें राष्ट्रीय शिल्प मेला इस बार रिद्म ऑफ इंडिया और कलर ऑफ इंडिया थीम के साथ मनाया जा रहा है। शुक्रवार को पंजाब के गवर्नर और चंडीगढ़ के प्रशासक गुलाब चंद कटारिया ने नगाड़ा बजाकर इसकी शुरुआत की।

उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र पटियाला और चंडीगढ़ कला एवं संस्कृति विभाग के संयुक्त तत्वाधान में इस मेले को आयोजित किया जा रहा है। राज्यपाल के कलाग्राम पहुंचने पर अधिकारियों और लोक कलाकारों द्वारा वाद्य यंत्र बजाकर भव्य स्वागत किया गया। राज्यपाल ने मेले में स्थापित पत्थरों में तराशे गए राशि चिन्हों को बहुत सराहा और कलाकारों की बहुत तारीफ की।

➡ पहले दिन से ही कलाग्राम में दर्शकों का जबरदस्त उत्साह कंवर ग्रेवाल की गायकी पर झूमे लोग

प्रशासक गुलाब चंद कटारिया ने कहा कि राजभवन ने कलाकारों के सम्मान में हर संभव मदद की है। मैं चाहता हूं कि देश के कोने-कोने में कलाकारों का सम्मान किया जाना चाहिए और ये हमारी जिम्मेदारी है। अभी भी गांवों में कई कलाकार छिपे बैठे हैं। मैं डायरेक्टर फुरकान खान जी से गुजारिश करता हूं कि उन्हें तलाशें और यहां लेकर आएं। हम उनका सम्मान करेंगे, जिसके वे हकदार हैं। इस मौके पर प्रशासक की पत्नी अनीता कटारिया, एडवाइजर राजीव वर्मा, सेक्रेटरी टूरिजम मनदीप बराड़, डायरेक्टर टूरिजम प्रद्युम्न सिंह, एचसीएस, डायरेक्टर स्पोर्ट्स सौरभ अरोड़ा समेत कई अधिकारी मौजूद रहे।

सूफी गायक कंवर ग्रेवाल ने समा बांधा

शाम को सूफी गायक कंवर ग्रेवाल ने समा बांधा। लोक कलाओं पर आधारित कार्यक्रम मेले में दिनभर जारी रहे। इस मौके पर लोक कला साधक (लाइफटाइम अचीवमेंट) अवॉर्ड भी दिए गए। लोक नृत्य श्रेणी में राजस्थान की तेरहताल की कलाकार दुर्गा देवी और हिमाचल प्रदेश के बालक राम ठाकुर को अवॉर्ड मिला। वहीं, लोक संगीत के क्षेत्र में पंजाब के देस राज लचकानी और जम्मू-कश्मीर की गुजरी गायक बेगम जान को लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से नवाजा गया। चारों कलाकारों को 2.5-2.5 लाख रुपए के ड्राफ्ट के साथ सम्मान पट्टिका और शाल सम्मान के रूप में भेंट किया गया। पहली बार मेले में दो युवा अवॉर्ड भी दिए गए। चयन समिति ने युवा अवॉर्ड के लिए हरियाणा के मनोज जाले और उत्तराखंड के सुधांशु बिष्ट को चुना। उन्हें मंच पर 1-1 लाख रुपए का ड्राफ्ट के साथ सम्मान पट्टिका और शाल देकर सम्मानित किया गया। मेले में बनाई गई विरासती सड़क ने भी सभी को अपनी ओर आकर्षित किया और यहां भीड़ लगी रही। राज्यपाल ने अपने भाषण में कहा ...... सूफी गायक कंवर ग्रेवाल ने श्रोताओं को 'नचना पैंदा है' पर नचाया और 'मस्ता दे वेड़े' पर बनाया मस्त, खूब झूमे दर्शक राष्ट्रीय शिल्प मेले के पहले दिन पंजाब के सूफी गायक कंवर ग्रेवाल ने माहौल बना दिया। उन्होंने अपने गीतों से लोगों को नाचने पर मजबूर किया और मस्त भी बनाया। उन्होंने 'नचना पैंदा है', 'न जाईं मस्तां दे वेड़े मस्त बना देन गे बिबा' के साथ-साथ 'छल्ला' गाया। इसके अलावा उन्होंने 'टिकटां दो लैली', 'रंग करतार दे' आदि गानों से भी सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। कंवर ग्रेवाल ने कहा कि इस तरह के ओपन स्टेज पर गाना हमेशा मुझे पसंद रहा है। 30 नवंबर को पंजाबी गायक गुरनाम भुल्लर शाम को अपनी प्रस्तुति देंगे।

राजभवन में पंजाब, चंडीगढ़ सहित 8 राज्यों का स्थापना दिवस मनाया

एक भारत, श्रेष्ठ भारत कार्यक्रम के तहत कलाकारों ने रंगारंग प्रस्तुतियां देकर समां बांधा

पंजाब के राज्यपाल और चंडीगढ़ के प्रशासक गुलाब चंद कटारिया कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों व कलाकारों को संबोधित करते हुए।

पंजाब राजभवन में 8 राज्यों के स्थापना दिवस पर कलाकार रंगारंग प्रस्तुति देते हुए।

अमर उजाला

पंजाब राज भवन में सोमवार को आयोजित कहानी संगीत शाम में प्रस्तुति देते कजाख और पंजाब के कलाकार। इस दौरान भंगड़े और कजाकिस्तान के नृत्य ने सबका मन मोह लिया।

कार्यक्रम का आनंद लेते राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया सहित अन्य गणमान्य।

भंगड़ा और कजाकिस्तान नृत्य के संगम से गूंजा पंजाब राजभवन

प्रशासक कटारिया बोले-सभ्यता और संस्कृति को आगे बढ़ाता है संगीत

खबरों में राज भवन

सीमावर्ती क्षेत्रों के लोगों को राजभवन बुला हल करेंगे उनकी समस्याएं : राज्यपाल

गुलाब चंद कटारिया बोले-बार्डर एरिया के विकास पर देंगे जोर, कानून व्यवस्था पर की चर्चा

VDCs have key role in strengthening security in border areas: Kataria

सीमांत गांवों की समस्याएं प्राथमिकता पर हल होंगी : कटारिया

फैक्ट्रियों से निकलने वाला गंदा पानी नदियों में न डाला जाये : राज्यपाल कटारिया

बोले, पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए हरिके पतन को बढ़ावा दिया जाना चाहिए

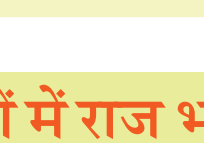

सीमावर्ती गांवों की समस्याएं पहल के आधार पर हल होंगी : राज्यपाल

वीडीसी सदस्यों की कमेटी कम से कम 2 महिलाएं भी हों शामिल : कटारिया

Governor assures support for border villages

राजभवन के संपर्क में होंगी गांव सुरक्षा कमेटियां

Need to check flow of industrial waste into rivers, says Governor

Guv bats for collective efforts to curb cross-border smuggling

ब्रिटिश उप उच्चायुक्त ने राज्यपाल से मिल सहयोगात्मक प्रयासों को किया मज़बूत

पंचकूला समाचार, चंडीगढ़। चंडीगढ़ में ब्रिटिश उप उच्चायुक्त सुश्री कैरोलिन रोवेट ने आज पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया से पंजाब राजभवन में मुलाकात की और पंजाब, यूटी चंडीगढ़ और यूनाइटेड किंगडम के बीच सहयोग के विभिन्न क्षेत्रों पर चर्चा की। बैठक में प्रमुख चुनौतियों का समाधान करने और आपसी विकास को बढ़ावा देने के लिए सहयोग बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया गया। राज्यपाल और सुश्री रोवेट ने अवैध प्रवास और आव्रजन धोखाधड़ी को रोकने के लिए सामूहिक प्रयासों को तेज करने की आवश्यकता पर जोर दिया। पंजाब, केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ और यूके पुलिस पहले से ही इन मुद्दों से प्रभावी तरीके से निपटने के लिए मिलकर काम कर रहे है। राज्यपाल ने पंजाब, चंडीगढ़ और यूके के बीच शिक्षा विनिमय कार्यक्रमों के विस्तार के महत्व पर जोर दिया। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य नवीन प्रथाओं को अपना उच्च और स्कूली शिक्षा को बढ़ाना है। राज्यपाल ने सांस्कृतिक और खेल संबंधों को बढ़ावा देने के लिए यूके यूटी चंडीगढ़ के बीच खेल विनिमय कार्यक्रम शुरू करने का प्रस्ताव रखा।

पंजाब के राज्यपाल का सीमावर्ती जिलों का दौरा

राज्य के 6 जिलों में बनीं गांव सुरक्षा कमेटियां : गुलाब चंद कटारिया

खेती के लिए कंटीले तारों को पार करने का रास्ता होगा सुगम : राज्यपाल

पंजाब उद्योग का राजा था... माहौल प्रतिकूल नहीं, क्योंकि कारोबारी डर के साये में उद्योग नहीं लगा रहा : कटारिया

ड्रोन गतिविधि से निपटने में वीडीसी मददगार : राज्यपाल

राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने गांव कक्कड़ के पंचों और सरपंचों के साथ बैठक की

खबरों में राज भवन

राज्यपाल कटारिया बोले, पंजाब में नशे के खिलाफ जन आंदोलन शुरू करेंगे

नशे की समस्या पंजाब तक ही सीमित नहीं, यह राष्ट्रीय संकट बना : कटारिया

Interfaith dialogue will help bolster anti-drug war: Guv

Governor launches Nasha Mukt-Rangla Punjab campaign on Gurpurb to tackle drug abuse under Nasha Mukt Bharat Abhiyan

79-year-old Governor Kataria walks the talk against drug menace in Beas

प्रशासक ने ड्रग तस्करी और राष्ट्रीय सुरक्षा पर क्षेत्रीय सम्मेलन में वर्चुअली लिया भाग

पंजाब राज भवन में नशे के खिलाफ जागरूकता संवाद सत्र आयोजित
ड्रग्स के खिलाफ जंग में सभी वर्गों के संयुक्त प्रयास सफलता की कुंजी: कटारिया

राज्यपाल कटारिया बोले, पंजाब में नशे के खिलाफ जन आंदोलन शुरू करेंगे

शिक्षाविदों ने किया नशीली दवाओं के मुद्दे से निपटने के लिए पूर्ण समर्थन का वादा

पंजाब को नशा मुक्त बनाने के लिए एड़ी-चोटी का जोर लगा दूंगा : राज्यपाल कटारिया

Governor launches 'Nasha Mukt Rangla Punjab' campaign

नशा सिर्फ क्षेत्रीय समस्या नहीं, बल्कि राष्ट्रीय संकट बन चुका है : कटारिया

मादक पदार्थों की बाढ़ लाकर भारत के खिलाफ छद्म युद्ध छेड़ रहा पाकिस्तान: गुलाब चंद कटारिया

नशे के खिलाफ अलख जगाने 10 दिन में 80 किलोमीटर पैदल चलेंगे गवर्नर
सभी धार्मिक संगठनों, शिक्षण संस्थानों के साथ-साथ आम लोगों को अभियान से जुड़ने का आह्वान : कटारिया

Mass movement needed to weed out drug menace, says Guv Kataria

सर्व-धर्म सम्मेलन से करेंगे नशे के खिलाफ जागरूक

Women have key role in anti-drug fight: Kataria

प्रशासक ने चंडीगढ़ को नशामुक्त खेल केंद्र बनाने का किया आह्वान
स्वच्छ भारत मिशन के तहत स्वच्छता में चंडीगढ़ की उपलब्धियों की सराहना की

राज्यपाल ने नशा मुक्त-रंगला पंजाब अभियान की शुरुआत की

युवाओं को नशे से बचाने में कानून से ज्यादा जागरूकता जरूरी

सभी क्षेत्रों के लोगों को नशा मुक्त भारत अभियान को जन आंदोलन बनाने के लिए एक साथ आना चाहिए: पंजाब के राज्यपाल

भावी पीढ़ियों के लिए नशामुक्त पंजाब जरूरी : कटारिया

नशा मुक्त भारत बनाने के लिए सबकी भागीदारी जरूरी : राज्यपाल कटारिया

जनजागरूकता • सीमावर्ती जिलों के तार दिन के दौरे पर राज्यपाल, सुरक्षा कर्मियों से जानकारी प्राप्त की
अगर पूरा समाज इकट्ठा होकर काम करेगा तो हम नशे जैसी सामाजिक बुराइयों समेत हर मुद्दे पर जीतेंगे: कटारिया

नशे की समस्या पंजाब तक ही सीमित नहीं, यह राष्ट्रीय संकट बना : कटारिया

ड्रग्स के खिलाफ जंग में संयुक्त प्रयास ही सफलता की कुंजी : राज्यपाल

Punjab Governor launches Nasha Mukt-Rangla Punjab campaign

नशे के खिलाफ जंग में सभी वर्गों का सहयोग जरूरी : कटारिया

खबरों में राज भवन

जैन भगवती दीक्षा महोत्सव में सीएम भगवंत मान की बड़ी घोषणा

मुबारकपुर में पीजीआई की तर्ज पर बनेगा मेडिकल कॉलेज

जैन संस्था से बोले सीएम-आप हमें जमीन के लिए प्रेजेंटेशन बनाकर दें, हम अपनी तरफ प्रोजेक्ट में पूरा सहयोग देंगे

अर्थ प्रकाश/ चौहान

मुबारकपुर (मोहाली)। जैन भगवती दीक्षा महोत्सव में वीरवार को पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया व सीएम भगवंत मान ने शिरकत की। इस मौके पर सीएम भगवंत मान ने घोषणा करते हुए कहा कि मुबारकपुर में पीजीआई की तर्ज पर मेडिकल कॉलेज बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि वह भी चाहते हैं कि पीजीआई से मरीजों का बोझ खत्म किया जाए। क्योंकि वहां पर हिमाचल, हरियाणा, पंजाब, जम्मू कश्मीर, राजस्थान, उत्तराखंड समेत कई राज्यों से मरीज आते हैं। अगर बढ़िया अस्पताल होगा तो पीजीआई पर मरीजों का बोझ कम होगा। उन्होंने जैन संस्था से कहा कि आप हमें जमीन के लिए प्रेजेंटेशन बनाकर दें, हम अपनी तरफ प्रोजेक्ट में पूरा सहयोग देंगे। बता दें कि जैन समाज ने अस्पताल बनाने के लिए सीएम मान के सामने जगह की मांग रखी थी।

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि पंजाब सरकार राज्य के विकास और जनता के कल्याण के लिए महान गुरुओं, संतों, महापुरुषों, पीरों-फकीरों और शहीदों के दिखाए मार्ग पर चल रही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने कहा कि एक जननेता के रूप में यह उनका कर्तव्य है कि वे राज्य के हर नागरिक के हितों की रक्षा करें। उन्होंने कहा कि पंजाब एक पवित्र भूमि है, जहां विभिन्न धर्म, भाषाएं और सामाजिक वर्गों के लोग शांति और सद्भाव से रहते हैं। भगवंत सिंह मान ने कहा कि उनको इस धरती की सेवा करने के लिए लोगों की ओर से बड़ा फतवा दिया गया है और इस नेक कार्य के लिए उनकी ओर से कोई कमी नहीं छोड़ी जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि फूलों के विभिन्न रंग हर किसी की आंखों को सुकून देते हैं, और लोग इन्हें देखने के लिए उत्सुक रहते हैं। इसी प्रकार, हर समाज में प्रत्येक धर्म की सद्भावना और शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व, देश की प्रगति के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि उनकी सरकार इस नेक काम के लिए प्रतिबद्ध है और राज्य में सामुदायिक एकता को मजबूत करने के लिए हर संभव कदम उठा रही है।

मुबारकपुर में आयोजित जैन भगवती दीक्षा समारोह के दौरान उपस्थित पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया व सीएम भगवंत मान व अन्य। फोटो- अजीत कौशल

महान गुरुओं, संतों और पीरों से जुड़े ऐसे कार्यक्रम जरूरी

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे महान गुरुओं, संतों और पीरों से जुड़े ऐसे कार्यक्रम हमारे लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं क्योंकि ये हमें और हमारी युवा पीढ़ी को हमारी धार्मिक और सामाजिक परंपराओं से अवगत कराते हैं, जो पूरी मानवता को एक सूत्र में पिरोकर रखती हैं। उन्होंने इन आध्यात्मिक और धार्मिक नेताओं के दिखाए मार्ग पर चलने का आह्वान करते हुए कहा कि आप सरकार राज्य में शांति, एकता, और सामुदायिक सौहार्द बनाए रखने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। जैन समुदाय के साथ अपने पुराने संबंधों को याद करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्हें हमेशा जैन समुदाय के संतों का आशीर्वाद प्राप्त हुआ है। उन्होंने इस क्षेत्र में एक अत्याधुनिक अस्पताल स्थापित करने के लिए समुदाय को पूरा सहयोग देने की घोषणा भी की। भगवंत सिंह मान ने उम्मीद जताई कि यह अस्पताल पूरे उत्तरी क्षेत्र के लोगों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने में अग्रणी भूमिका निभाएगा।

Kataria reviews services on surprise visits to GMSH-16, SDH

EXPRESS NEWS SERVICE
CHANDIGARH, JANUARY 13

CHANDIGARH ADMINISTRATOR Gulab Chand Kataria on Monday conducted surprise visits to the Government Multi-Specialty Hospital, Sector 16 (GMSH-16) and the Sub-District Hospital (SDH), Manimajra, to assess healthcare services and infrastructure.

At GMSH-16, Kataria inspected the Emergency, Intensive Care Unit, Post-Natal Ward, Labour Room, Advanced Pediatric Centre, and the proposed site for the expansion of the Emergency Wing. The administrator interacted with patients and their families to inquire about their health and the quality of services being provided with special attention to cleanliness, availability of medicines, quality of meals, and patient privacy. He appreciated the hospital's measures to ensure privacy for women patients, such as cubicle curtains and partitions.

In the Advanced Pediatric Centre, the hospital staff briefed the administrator on the specialised services provided, including care for newborns with complications and low birth weight, and also tele-consultation facilities enabling consultations with super-specialty departments at PGIMER, which have improved critical pediatric care. Additionally, Kataria reviewed the referral system in place and its efficiency in providing timely care.

He also examined the proposed site for the expansion of the Emergency Wing, a project designed to reduce overcrowding and improve patient management. He directed the authorities to expedite the construction process to address these challenges effectively.

During his visit to SDH, Manimajra, the administrator inspected various departments, including the Emergency area, medical ward, labour room, and gynae ward, and interacted with patients to understand their experiences and reviewed the hospital's admission status. Emphasis was placed on the optimal utilisation of available facilities to enhance patient care.

Director of Health Services, Chandigarh, Dr Suman Singh, briefed Kataria about the recent sanction of a Critical Care Block for SDH, Manimajra, by the Government of India. Land proposals for the project were also discussed. The administrator directed authorities to explore vertical expansion options for accommodating the new facilities.

Chandigarh Administrator Gulab Chand Kataria reviews healtcare services at GMSH-16 in Chandigarh on Monday

प्रशासक ने जीएमसीएच-32 का किया औचक दौरा, विभिन्न वार्डों का किया निरीक्षण

जीएमसीएच में 280 नए बेड के साथ इमरजेंसी सेवाएं अप्रैल तक हो जाएंगी शुरू

जगमार्ग न्यूज

चंडीगढ़। पंजाब के राज्यपाल और चंडीगढ़ के प्रशासक गुलाब चंद कटारिया ने सोमवार को सेक्टर 32 स्थित जीएमसीएच और सेक्टर 48 में सरकारी अस्पताल का औचक दौरा किया। अपने दौरे के दौरान उन्होंने विभिन्न वार्डों का निरीक्षण किया और दोनों अस्पतालों में प्रदान की जा रही स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा करने के लिए उपस्थित डॉक्टरों से बातचीत की। सेक्टर 32 अस्पताल में आपातकालीन देखभाल को बढ़ाने की आवश्यकता पर प्रकाश डालते हुए प्रशासक ने कहा कि मरीजों की बढ़ती संख्या को देखते हुए 280 बिस्तरों वाला एक नया इमरजेंसी विंग जोड़ा जा रहा है। नई इमरजेंसी इमारत, जिसे शुरू में 31 दिसंबर तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया था, में देरी हुई है, लेकिन अब इसके 31 मार्च, 2025 तक तैयार होने की उम्मीद है। सेक्टर 48 अस्पताल में प्रशासक ने स्वास्थ्य सेवा वितरण को बढ़ाने के महत्व पर जोर दिया और स्वास्थ्य विभाग को डॉक्टरों, कर्मचारियों और चिकित्सा उपकरणों की संख्या बढ़ाने पर एक विस्तृत रिपोर्ट तैयार करने का निर्देश दिया। जबकि अस्पताल की क्षमता 150 बिस्तरों की है, प्रशासक ने शहर के निवासियों को प्रभावी ढंग से सेवा देने के लिए इस क्षमता का पूरा उपयोग करने की आवश्यकता पर बल दिया। इस दौरे में चंडीगढ़ में स्वास्थ्य सेवा के बुनियादी ढांचे को और मजबूत करने पर भी चर्चा हुई ताकि इसके नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवाएं प्रदान की जा सकें। निरीक्षण के दौरान प्रशासक सलाहकार परिषद की स्वास्थ्य की स्थायी समिति के अध्यक्ष प्रसिद्ध स्पाइन सर्जन डॉ. राज बहादुर भी प्रशासक के साथ थे।

जीएमएसएच की इमरजेंसी में जगह है कम, विस्तार होना चाहिए : कटारिया

शहरवासियों के स्वास्थ्य को लेकर प्रशासक एक्टिव, एक माह में चार अस्पतालों का किया औचक निरीक्षण

जागरण संवाददाता, चंडीगढ़ : शहरवासियों की सेहत को लेकर प्रशासक गुलाब चंद कटारिया सुपर एक्टिव मोड में है। प्रशासक अस्पतालों में बिना किसी पूर्व सूचना के पहुंच कर निरीक्षण करते हैं। एक माह में प्रशासक चार अस्पतालों में औचक निरीक्षण करने पहुंचे हैं।

अस्पताल में एकदम से पहुंचाने के बाद वह एक-एक चीज का जायजा लेते हैं और अधिकारियों को साफ-सफाई, भोजन की गुणवत्ता और स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार सुनिश्चित करने के निर्देश देते हैं। प्रशासक के सुपर एक्शन मोड के चलते अधिकारी लाबी में हड़कंप मचा हुआ है। प्रशासक सोमवार को जीएमएसएच-16 का औचक निरीक्षण करने के लिए पहुंचे। इस दौरान प्रशासन ने स्वास्थ्य सेवाओं, साफ-सफाई, दवाओं की उपलब्धता और मरीजों को दी जा रही सुविधाओं का जायजा लिया। जानकारी के अनुसार उन्होंने जीएमएसएच-16 में उन्होंने कहा कि इमरजेंसी में जगह बेहद कम है। इमरजेंसी का विस्तार करना चाहिए, ताकि इमरजेंसी में आने वाले लोगों को आसानी से इलाज मिल सके। इसके साथ ही उन्होंने इमरजेंसी विंग, आइसीयू, पोस्ट-नैटल वार्ड और एडवांस्ड पीडियाट्रिक सेंटर का निरीक्षण किया। मरीजों और उनके परिजनों से बातचीत करते हुए उन्होंने सेवाओं की गुणवत्ता और सुधार की संभावनाओं पर चर्चा की।

इन्फ्रास्ट्रक्चर को लेकर हुई थी बैठक : प्रशासक ने कुछ दिनों पहले शहर में लोगों को बेहतर इलाज देने के लिए स्वास्थ्य इन्फ्रास्ट्रक्चर को बढ़ावा देने के लिए बैठक की थी। जानकारी के अनुसार सचिव स्वास्थ्य अजय चगती, स्वास्थ्य निदेशक डा. सुमन और अन्य वरिष्ठ अधिकारी के साथ बैठक हुई थी। शहरवासियों को बेहतर इलाज देने के लिए स्वास्थ्य विभाग की ओर से इस साल में दो हजार बेड का अस्पताल बनाने की तैयारी की गई है। वह अस्पताल सारंगपुर या फिर सेक्टर-53 में 23 एकड़ जमीन पर बनेगा। शहर में पीजीआइ के बाद यह दूसरा सबसे बड़ा अस्पताल बनाने जा रहा है। नए अस्पताल के बनने से अन्य राज्यों के मरीजों को भी इलाज मिल पाएगा।

अस्पताल के वरिष्ठ अधिकारी से बात करते प्रशासक ● डीपीआर

मरीज का हाल जानते प्रशासक गुलाब चंद कटारिया ● डीपीआर

जीएमसीएच-32 व सेक्टर-48 अस्पताल में प्रशासक का दौरा, खामियां मिलने पर अफसरों को फटकारा

- स्वास्थ्य सुविधाओं में कमी देख प्रशासक का फूटा गुस्सा
- जीएमसीएच-32 इमरजेंसी का बुरा हाल देख नए आपातकालीन विंग पर सवाल किए खड़े
- अप्रैल माह तक आपातकालीन वार्ड में मिलेगी 280 बेड की सुविधा
- नए इमरजेंसी सेंटर का काम पूरा कर जल्द सुविधा देने के दिए निर्देश

जागरण संवाददाता, चंडीगढ़ : प्रशासक गुलाबचंद कटारिया सप्ताह के पहले दिन सेक्टर-32 के गवर्नमेंट मेडिकल कालेज एंड हास्पिटल व सेक्टर-48 अस्पताल का औचक दौरा करने पहुंचे। प्रशासक के आने की जानकारी अस्पताल प्रशासन के किसी भी अधिकारी के पास नहीं थी। सुबह 10:30 बजे प्रशासक टीम के साथ अस्पताल में दाखिल हुए विभिन्न वार्डों का निरीक्षण किया।

अस्पताल में स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा करने के लिए उपस्थित डाक्टरों से बातचीत की। इसके बाद इमरजेंसी में मरीजों का हाल-बदहाल देखा तो अधिकारियों को फटकार लगाते हुए जल्द नए इमरजेंसी वार्ड में सेवाएं चालू करने के निर्देश दिए। प्रशासन की ओर से पीजीआइ की तर्ज पर साल 2021 में जीएमसीएच में नए इमरजेंसी वार्ड व ट्रामा सेंटर बनाने के लिए काम शुरू किया गया था। इस 280 बेड वाले प्रोजेक्ट में 64 बेड वार्ड स्टेबल पेशेंट के लिए बनाए जाने की योजना थी। साथ ही दो आइसोलेशन वार्ड बनाए जाने थे, जिसकी 33 बेड क्षमता थी। 24 बेड आइसीयू के लिए शामिल किए गए थे। यह प्रोजेक्ट इस साल दिसंबर के अंत में चालू होना था, लेकिन काम पूरा न होने के चलते प्रोजेक्ट का उद्घाटन हो पाना मुश्किल है।

औचक निरीक्षण के दौरान मरीजों का हाल जानते प्रशासक ● डीपीआर

सेक्टर-48 अस्पताल में स्वास्थ्य सेवा वितरण को बढ़ाने के महत्व पर दिया जोर

सोमवार को जब प्रशासक दौरा करने के लिए पहुंचे तो उन्होंने देखा कि इमरजेंसी में भर्ती मरीजों को इलाज में पर्याप्त जगह न हो पाने के चलते परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कई बेड पर दो-दो मरीज इलाज लेने को लाचार है। निरीक्षण करने के बाद प्रशासक ने मार्च के अंत तक प्रोजेक्ट पूरा कर नए इमरजेंसी वार्ड व ट्रामा में सुविधा चालू करने के निर्देश दिए। दूसरी तरफ सेक्टर-48 अस्पताल में राज्यपाल ने स्वास्थ्य सेवा वितरण को बढ़ाने के महत्व पर जोर दिया और स्वास्थ्य विभाग को डाक्टरो, कर्मचारियों और चिकित्सा उपकरणों की संख्या बढ़ाने पर एक विस्तृत रिपोर्ट तैयार करने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान प्रशासक सलाहकार परिषद की स्वास्थ्य की स्थायी समिति के अध्यक्ष प्रसिद्ध स्पाइन सर्जन डा. राज बहादुर भी मौजूद रहे।

मनीमाजरा अस्पताल की इमरजेंसी में पहुंचे प्रशासक गुलाब चंद कटारिया। स्रोत: प्रशासन

प्रशासक ने मरीजों से पूछा-कैसा मिल रहा है अस्पताल में इलाज

एसएमओ से डॉक्टरों और स्टाफ की जानकारी ली

संवाद न्यूज एजेंसी

मनीमाजरा। सिविल अस्पताल मनीमाजरा में दोपहर को अचानक पुलिस कर्मचारियों की हलचल देख सभी हैरान रह गए। इसके कुछ ही देर बाद पंजाब के राज्यपाल और चंडीगढ़ के प्रशासक गुलाब चंद कटारिया मनीमाजरा अस्पताल पहुंचे। एकाएक प्रशासक को देखकर अस्पताल के डॉक्टरों की टीम अलर्ट हो गई। प्रशासक ने सबसे पहले इमरजेंसी वार्ड को देखा। इमरजेंसी का रजिस्टर देखने के बाद वहां भर्ती मरीजों के बारे में पूछताछ की। इसके बाद उन्होंने पहली मंजिल पर बने हर एक वार्ड की जांच की और वहां भर्ती मरीजों से बात करते हुए पूछा कि आप का इलाज ठीक हो रहा है। किसी तरह की कोई परेशानी तो नहीं हो रही। इस दौरान मरीजों की बात को ध्यानपूर्वक सुना। इसके बाद लेबर रूम और गायनी वार्ड सहित विभिन्न विभागों का निरीक्षण किया। उन्होंने एसएमओ डॉ. संदीप टंडन से पूछा कि स्टॉफ की क्या स्थिति है और क्या होना चाहिए। इस दौरान स्वास्थ्य निदेशक और स्वास्थ्य सचिव अजय चगती समेत अन्य वरिष्ठ अधिकारी थे।

अस्पताल की इमरजेंसी में रजिस्टर की जांच करते कटारिया। स्रोत: प्रशासन

अमर उजाला ने उठाया था मुद्दा

अमर उजाला फॉलोअप

अमर उजाला मनीमाजरा समेत शहर के तीनों सिविल अस्पतालों में डॉक्टरों की कमी और पिछले तीन साल से रेडियोलॉजिस्ट न होने के मुद्दों को लगातार उठाता रहा है। दो दिन पहले ही दावे हवा हवाई, ढाई साल में एक रेडियोलॉजिस्ट की व्यवस्था नहीं हो पाई.. शीर्षक से खबर प्रकाशित की थी। वहीं, सेक्टर-22 और 45 का भी कमोबेश यही हाल है। इसके बाद ही चंडीगढ़ प्रशासक और प्रशासनिक अधिकारियों ने मनीमाजरा का दौरा कर वहां की स्थिति का जायजा लिया।

जीएमसीएच-32 की इमरजेंसी में 47 बेड बढ़े, से.-48 हॉस्पिटल में जनरल- जीरियाट्रिक्स ओपीडी शुरू

प्रशासक ने जीएमसीएच-32 का औचक निरीक्षण कर पूछा था- मरीज स्ट्रेचर पर क्यों हैं?

हेल्थ रिपोर्टर | चंडीगढ़

चंडीगढ़ के प्रशासक गुलाब चंद कटारिया ने बुधवार शाम जीएमसीएच-32 में मरीजों की सुविधाओं में इजाफा करने को लेकर मीटिंग की। हॉस्पिटल प्रबंधन ने प्रशासक को बताया कि इमरजेंसी में 47 बेड बढ़ा दिए गए हैं। यह बेड विभिन्न डिपार्टमेंट से लिए गए हैं। 16 दिसंबर को प्रशासक ने यहां औचक निरीक्षण किया था। तब मरीज बाहर स्ट्रेचर पर मिले थे। प्रशासक गुलाब चंद कटारिया ने हॉस्पिटल प्रबंधन से पूछा था कि इमरजेंसी में मरीज स्ट्रेचर पर क्यों हैं। मीटिंग में सेक्रेटरी हेल्थ अजय चगती, जीएमसीएच-32 के डायरेक्टर प्रिंसिपल प्रो. एके अत्री, मेडिकल सुपरिंटेंडेंट प्रो. जीपी थामी के अलावा चीफ इंजीनियर भी मौजूद रहे। एमएस प्रो. एके अत्री ने बताया कि प्रशासक को बताया गया कि

जीएमसीएच-32 में औचक निरीक्षण के दौरान मरीजों से बात करते प्रशासक गुलाब चंद कटारिया (फाइल फोटो)

कैंसर मरीजों के लिए डे-केयर सुविधा शुरू

कैंसर के मरीजों को कीमोथेरेपी के लिए सेक्टर-48 हॉस्पिटल में डे-केयर क्लीनिक की सुविधा भी शुरू की गई है। अभी इस हॉस्पिटल में स्किन, रेडियोथेरेपी, टीबी और साइकेट्री की स्पेशलिटी सुविधाएं ही उपलब्ध हैं। चूंकि हॉस्पिटल में ज्यादा मरीज नहीं आते, इसलिए वहां पर अतिरिक्त सुविधाएं शुरू की जा रही हैं। इसका मकसद यही है कि जीएमसीएच-32 का बर्डन कम किया जा सके।

ओपीडी सुबह 9 से दोपहर एक बजे तक चलेगी

प्रशासक को बताया गया कि जीएमसीएच में मरीजों की भीड़ कम करने के लिए सेक्टर-48 हॉस्पिटल में जनरल ओपीडी और जीरियाट्रिक्स ओपीडी शुरू कर दी गई है। यह ओपीडी सुबह 9 से दोपहर 1 बजे तक चलाई जा रही है।

जीएमसीएच में 280 बेडेड ट्रॉमा कम इमरजेंसी ब्लॉक का काम तेजी से चल रहा है, 31 मार्च तक इसे पूरा कर दिया जाएगा।

पंजाब राजभवन, सेक्टर-6, चंडीगढ़, पिन कोड-160019

ईमेल पताः section.press@gmail.com

आप हमें फेसबुक और इंस्टाग्राम पर भी फ़ॉलो कर सकते हैं

https://www.facebook.com/G.C.KatariaUDR/ https://www.instagram.com/gulabchand_kataria/
https://x.com/Gulab_kataria/